



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 28] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 11, 1987/ भाषा 20, 1909
No. 28] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 11, 1987/ASADHA 20, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II) PART II—Section 3—Sub-section (II)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सार्वजनिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than
the Ministry of Defence

कार्मिक और लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 26 जून, 1987

का. भा. 1751 :—केन्द्रीय सरकार प्रांतिकवासी और
विध्वंसक क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1985 (1985 का 31)
की धारा 11 की उपधारा (1) के परन्तुक के साथ पठित धारा
18 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,
महाराष्ट्र राज्य सरकार से परामर्श करने के पश्चात्, श्री एस. जी.
सामंत, अधिवक्ता, मुख्य उच्च न्यायालय, महाराष्ट्र को, उक्त अधिनियम
के अधीन पुणे, महाराष्ट्र में अभिलिखित न्यायालय में विन्वो विशेष पुलिस
स्थापन द्वारा संस्थित मामला आर. सी.-6/83 एच. आर. यू.-III
(मेवानिबुल जनरल ए. एस. वैद्य को हत्या) का मंचालन करने के
लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[संख्या 225/4/87-ए. पी. डी. (II)]

के. आर. गोपाल राव, अवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 26th June, 1987

S.O. 1751—In exercise of the powers conferred by sub-
section (1) of section 18 read with the proviso to sub-
section (1) of section 11 of the Terrorist and Disruptive

Activities (Prevention) Act, 1985 (31 of 1985), the Central
Government after consultation with the State Government
of Maharashtra, hereby appoints Shri S. C. Samant Advocate,
Bombay High Court, Maharashtra, as Special Public Prosecu-
tor for conducting case RC-6/86/SIU-III (assassination of
Retired General A.S. Vaidya) instituted by the Delhi
Special Police Establishment in the Designated Court at
Pune, Maharashtra under the said Act.

[No. 225/4/87-AVD. II]

K. R. GOPALA RAO, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 जून, 1987

का. भा. 1752 :—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा (बर्गीकरण,
नियंत्रण और प्रगति) नियम, 1985 के नियम 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए और पूर्व कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग
द्वारा जारी की गई और भारत के राजपत्र, तारीख 29 नवम्बर, 1975
में प्रकाशित अधिवक्ता संख्या का. भा. 5041, तारीख 11 नवम्बर,
1975 के पैरा 2 को अधिनीति करते हुए तथा भारतीय लेखा बरीजा
और लेखा विभाग में कार्यरत व्यक्तियों के संबंध में भारत के नियंत्रक
समूहलेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् निदेश देने हैं कि इस आदेश
के जारी होने की तारीख से संघ के प्रत्येक सभी सिविल पदों को, ऐसे
अपवादों के अधीन रहते हुए, जिन्हें सरकार समय-समय पर किसी

साधारण या विशेष आदेश द्वारा करे, निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत किया जाएगा :

क्र. सं.	पदों का वर्णन	पदों का वर्गीकरण
1.	ऐसा केन्द्रीय सिविल पद, जिसका वेतन या वेतनमान का अधिकतम 4000 रु. से कम न हो।	समूह क
2.	ऐसा केन्द्रीय सिविल पद, जिसका वेतन या वेतनमान का अधिकतम 2900 रु. से कम न हो, किन्तु 4000 रु. से कम हो।	समूह ख
3.	ऐसा केन्द्रीय सिविल पद, जिसका वेतन या वेतनमान का अधिकतम 1150/ रु. से ऊपर, किन्तु 2900 रु. से कम हो।	समूह ग
4.	ऐसा केन्द्रीय सिविल पद, जिसका वेतन या वेतनमान का अधिकतम 1150 रु. या उससे कम हो।	समूह घ

परन्तु 1 जनवरी, 1986 को या उसके पश्चात् विद्यमान काइरों में विनिश्चित बूझियों के रूप में सृजित पदों का वर्गीकरण बहा होगा, जो उस काइर के पदों का है, जिसमें उन्हें जोड़ा जाता है।

टिप्पण ; - इस आदेश के प्रयोजन के लिए—

- (i) "वेतन" का वही अर्थ होगा जो मूल नियम 9(21)(क)(1) में उसे दिया गया है।
- (ii) किसी पद के वेतन या वेतनमान से केन्द्रीय सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) संशोधन नियम, 1987 द्वारा यथा संशोधित केन्द्रीय सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 1988 के अधीन विहित वेतन या वेतनमान अभिप्रेत है।

[सं. 13012/2/87-म्या. (घ)]

के. एस. धार कृष्णराज, उप सचिव

New Delhi, the 30th June, 1987

S. O. 1752 —In exercise of the powers conferred by Rule 6 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 and in supersession of para 2 of the Notification No.S.O.5041 dated the 11th November, 1975, Published in the Gazette of India dated the 29th November, 1975, issued by the late Deptt. of Personnel, Administrative Reforms and after consultation with the Comptroller & Auditor General of India in relation to the persons serving in the Civil Audit & Accounts Department, the President hereby directs that with effect from the date of issue of this order, all Civil posts under the Union shall, subject to such exceptions as Government may by any general or special order make from time to time, be classified as follows:

Sl. No.	Description of posts	Classification of posts
1.	A Central Civil post carrying a pay or a scale of pay with a maximum of not less than Rs. 4000/-	Group A
2.	A Central Civil post carrying a pay or a scale of pay with a maximum of not less than Rs. 2900/- but less than Rs. 4000/-	Group B
3.	A Central Civil post carrying a pay or a scale of pay with a maximum of over Rs. 1150/- but less than Rs. 2900/-	Group C
4.	A Central Civil post carrying a pay or a scale of pay the maximum of which is Rs. 1150/- or less	Group D

Provided that posts created on or after 1st Jan., 1986 as specific additions to existing cadres shall have the same classification as posts in the cadre to which they are added.

Note.—For the purpose of this order :—

- (i) 'Pay' has the same meaning assigned to it in FR 9(21)(a)(i).
- (ii) The pay or scale of pay of a post means the pay or scale of pay prescribed under the Central Civil Services (Revised Pay) Rules 1986 as amended by Central Civil Services (Revised Pay) Amendment Rules, 1987.

[No. 13012/2/87-Estt. (D)]

K. S. R. KRISHNA RAO, Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1987

(आकर)

का. प्रा. 1751 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ "मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट" को करनिर्धारित वर्ष 1983-84 से 1985-86 के लिए अधिसूचित करती है।

[नं. 7097 (का. सं. 197/143/84 का. नि. 1)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 13th January, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1753.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Madras Crocodile Bank Trust" for the purpose of the said clause for the assessment years 1983-84 to 1985-86.

[No. 7097/143/84-IT(AI)]

का. प्रा. 1754 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "एन. ए. सी. लायन्स होम फॉर एजिंग ब्लिन्ड, पुणे" को करनिर्धारित वर्ष 1981-82 से 1986-87 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7098 (का. सं. 197/155/84-IT(AI))

S.O. 1754.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "NAB Lions Home for Aging Blind, Pune" for the purpose of the said clause for the assessment years 1981-82 to 1986-87.

[No. 7098/F. No. 197/155/84-IT(AI)]

का. प्रा. 1755 —आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, ("तमिलनाडु पुलिन परिवार कल्याण संघ") को करनिर्धारित वर्ष 1983-84 से 1986-87 के लिए अधिसूचित करती है।

[नं. 7100 (का. सं. 197/30/83-आ. क. नि. 1)]

के. के. त्रिपाठी, उप सचिव

S.O. 1755.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notified "Tamil Nadu Police Families Welfare Organisation" for the purpose of the said clause for the assessment years 1983-84 to 1986-87.

[No. 7100/F. No. 197/30/83-ITA.1]

K. K. TRIPATHI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1987

(भाष्यकर)

का. भा. 1756:—भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "खेलघर शिशु निवास व शिक्षा केंद्र" को कर निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7115 (फा. सं. 197/68/85-आ. क. नि. 1)]

New Delhi, the 28th January, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1756.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Kholghar Shishu Nivas O Shiksha Kendra" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7115/F. No. 197/68/85-IT(AI)]

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1987

भाष्यकर

का. भा. 1757:—भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ "दा सोरेटो हाउस एजुकेशनल सोसायटी आफ कलकत्ता" को कर निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 तक के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7119 (फा. सं. 197-क/130/82-आ. क. नि. -I)]

New Delhi, the 6th February, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1757.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Loreto House Educational Society of Calcutta" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7119/F. No. 197A/130/82-IT(AI)]

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1987

(भाष्यकर)

का. भा. 1758:—भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ "फेडरेशन ऑफ इण्डियन एक्सपोर्ट भारोनाइजेशन" को कर निर्धारण वर्ष 1986-87 से 1988-89 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7924 (फा. सं. 197/60/85-आ. क. नि. 1)]

New Delhi, the 9th February, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1758.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Federation of Indian Export Organisations" for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 to 1988-89.

[No. 712/F. No. 197/60/85-IT(AI)]

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1987

(भाष्यकर)

का. भा. 1759:—भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ "कर्नाटक पुलिस बनेवोलेंट फंड" को कर निर्धारण वर्ष 1986-87 से 1988-89 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7134 (फा. सं. 197/186/85-आ. क. नि.-I)]

New Delhi, the 18th February, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1759.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Karnataka Police Benevolent Fund" for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 to 1988-89.

[No. 7134/F. No. 197/186/85-IT(AI)]

भाष्यकर

का. भा. 1760:—भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खंड के प्रयोजनार्थ "सी फेयरर्स बनेवोलेंट फंड सोसायटी, बम्बई" को कर निर्धारण वर्ष 1985-86 और 1986-87 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7135 (फा. सं. 197/38/86-आ. क. नि.-I)]

(INCOME-TAX)

S.O. 1760.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Seafarers' Welfare Fund Society, Bombay" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 and 1986-87.

[No. 7135/F. No. 197/38/86-ITA.1]

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1987

(भाष्यकर)

का. भा. 1761:—भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ "मराठा मन्दिर, बम्बई" को कर निर्धारण वर्ष 1988-89 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7149 (फा. सं. 197/66/86-आ. क. नि.-I)]

New Delhi, the 26th February, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1761.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Maratha Mandir, Bombay" for the purpose of the said clause for the assessment year 1988-89.

[No. 7149/F. No. 197/66/86-ITA.1]

का. मा. 1762:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खंड के प्रयोजनार्थ "गुरुदेव सिद्ध पीठ गणेशपुरी" को कर-निर्धारण वर्ष 1984-85 से 1986-87 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7151/का. सं. 197/111/84-आ. क. नि. 1]

S.O. 1762.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Gurudev Siddha Peeth Ganeshpuri" for the purpose of the said clause for the assessment years 1984-85 to 1986-87.

[No. 7151/F. No. 197/111/84-ITA.1]

का. मा. 1763 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खंड के प्रयोजनार्थ "किशोर भारती, होशंगाबाद" को कर-निर्धारण वर्ष 1986-87 और 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7152 (का. सं. 197/181/86-आ.क.नि.-I)]

S.O. 1763.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Kishore Bharati, Hoshangabad" for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 and 1987-88.

[No. 7152/F. No. 197/181/86-IT(A1)]

का. मा. 1764 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खंड के प्रयोजनार्थ "दि. सी. पी. रामास्वामी अय्यर फाउण्डेशन" को कर-निर्धारण वर्ष 1986-87 और 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7153 (का. सं. 197/137/85-आ.क.नि.-I)]

S.O. 1764.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The C. P. Ramaswami Ayyar Foundation" for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 and 1987-88.

[No. 7153/F. No. 197/137/85-IT(A1)]

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1987

(आयकर)

का. मा. 1765 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खंड के प्रयोजनार्थ "स्टॉक एक्सचेंज बम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1982-83 से 1986-87 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7154 का. सं.]

New Delhi, the 27th February, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1765.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Stock Exchange, Bombay" for the purpose of the said clause for the assessment years 1982-83 to 1986-87.

[No. 7154/F. No. 197/61/83-ITA.1]

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1987

(आयकर)

का. मा. 1766 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खंड के प्रयोजनार्थ "इंडियन सर्वेंट्स चेम्बर, बम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1986-87 और 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7172/का. सं. 197/158/84-आ.क.नि.-I]

New Delhi, the 10th March, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1766.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Merchants' Chamber, Bombay" for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 and 1987-88.

[No. 7172/F. No. 197/158/84-ITA.1]

का. मा. 1767 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खंड के प्रयोजनार्थ "यूना-टेड सर्विस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7173/का. सं. 197/7/86-आ.क.नि.-1]

S.O. 1767.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "United Service Institution of India" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7173/F. No. 197/7/86-ITA.1]

का. मा. 1768 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खंड के प्रयोजनार्थ, "इंस्टीट्यूट ऑफ एनीमल हेल्थ एंड वेटेरिनरी लॉजिकल बरीहेबल (बंगलूर)" को कर-निर्धारण वर्ष 1984-85 से 1986-87 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7174/का. सं. 197/142/83-आ.क.नि.-1]

S.O. 1768.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Institute of Animal Health and Veterinary Biologicals, Hebbal (Bangalore)" for the purpose of the said clause for the assessment years 1984-85 to 1986-87.

[No. 7174/F. No. 197/142/83-ITA.1]

का. धा. 1769.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खंड के प्रयोजनार्थ "संकट निवारण सोसायटी, गुजरात" को कर-निर्धारण वर्ष 1983-84 से 1986-87 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7175/का.सं. 197/169/86-आ.क.(नि-1)]

S.O. 1769.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sankat Nivaran Society, Gujarat" for the purpose of the said clause for the assessment years 1983-84 to 1986-87.

[No. 7175/F. No. 197/169/86-IT(A1)]

का. धा. 1770.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खंड के प्रयोजनार्थ "भारतीय भाषा परिषद्, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1987-88 तथा 1988-89 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7176/का.सं. 197/124/86-आ.क.(नि-1)]

S.O. 1770.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bharatiya Bhasha Parishad, Calcutta" for the purpose of the said clause for the assessment years 1987-88 and 1988-89.

[No. 7176/F. No. 197/124/86-IT(A1)]

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1987

(आयकर)

का. धा. 1771.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खंड के प्रयोजनार्थ "वेस्ट बंगाल काउंसिल फॉर चाइल्ड वेल्फेयर" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7188/का.सं. 197/174/85-आ.क.(नि-1)]

New Delhi, the 18th March, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1771.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "West Bengal Council for Child Welfare" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7188/F. No. 197/174/85-IT(A1)]

का. धा. 1772.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खंड के प्रयोजनार्थ "ज्ञान प्रबोधिनी, पुणे" को कर-निर्धारण वर्ष 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7189/का.सं. 197/143/86-आ.क.(नि-1)]

S.O. 1772.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Jnana Prabodhini, Pune" for the purpose of the said clause for the assessment year 1987-88.

[No. 7189/F. No. 197/143/86-IT(A1)]

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1987

(आयकर)

का. धा. 1773.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खंड के प्रयोजनार्थ "श्री सत्य साई सेंट्रल ट्रस्ट, बम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7219/का.सं. 197/238/86-आ.क.(नि-1)]

New Delhi, the 3rd April, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1773.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Sathya Sai Central Trust, Bombay" for the purpose of the said clause for the assessment year 1987-88.

[No. 7219/F. No. 197/238/86-IT(A1)]

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1987

(आयकर)

का. धा. 1774.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खंड के प्रयोजनार्थ "इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च फॉर इंटरनेशनल ईकॉनॉमिक रिलेशन्स, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1986-87 और 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7224/का.सं. 197/104/85-आ.क.(नि-1)]

New Delhi, the 6th April, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1774.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Council for Research in International Economic Relations, New Delhi" for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 and 1987-88.

[No. 7224/F. No. 197/104/85-IT(A1)]

(आयकर)

का. धा. 1775.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खंड के प्रयोजनार्थ "सोसायटी ऑफ़ द फ्रैन्सिस्कन सिस्टर्स ऑफ़ जम्मू एंड कश्मीर; बारामुल्ला (कश्मीर)" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7238/का.सं. 197/34/86-आ.क.(नि-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 1775.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Society of the Franciscan Sisters of Mary of Jammu & Kashmir, Baramulla (Kashmir)" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7238/F. No. 197/34/86-IT(A1)]

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1987

(आयकर)

का. प्रा. 1776.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ "वेद रक्षण निधि ट्रस्ट, मद्रास" को कर-निर्धारण वर्ष 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7256/फा. सं. 197/217/86-प्रा. क.नि-1]

New Delhi, the 24th April, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1776.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Veda Rakshana Nidhi Trust, Madras" for the purpose of the said clause for the assessment year 1987-88.

[No. 7256/F. No. 197/217/86-IT(A1)]

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1987

(आयकर)

का. प्रा. 1777.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ "रमन महर्षि सेंटर फॉर लर्निंग, बंगलोर" को कर-निर्धारण वर्ष 1986-87 तथा 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7265/फा. सं. 197/190/84-प्रा. क. नि-1]

New Delhi, the 30th April, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1777.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Ramana Maharshi Centre for Learning, Bangalore" for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 and 1987-88.

[No. 7265/F. No. 197/190/84-IT(A1)]

नई दिल्ली, 19 मई, 1987

आयकर

का. प्रा. 1778.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ "सर ससून डेविड ट्रस्ट फंड, बम्बई" को कर निर्धारण वर्ष 1982-83 से 1986-87 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7279/फा. सं. 197/179/81-प्रा. क. नि-1]

New Delhi, the 19th May, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1778.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sir Sasoon David Trust Fund, Bombay" for the purpose of the said clause for the assessment years 1982-83 to 1986-87.

[No. 7279/F. No. 197/179/81-IT(A1)]

(आयकर)

का. प्रा. 1779.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों

का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ "इण्डियन काउंसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1986-87 और 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7281/फा. सं. 197/42/87-प्रा. क. नि-1]

(INCOME-TAX)

S.O. 1779.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Council for Child Welfare, New Delhi" for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 and 1987-88.

[No. 7281/F. No. 197/42/87-IT(A1)]

(आयकर)

का. प्रा. 1780.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "असम राइफल ग्रुप इन्श्योरेंस स्कीम, शिलांग" को कर-निर्धारण वर्ष 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7282/फा. सं. 197/46/87-प्रा. क. नि-1]

(INCOME-TAX)

S.O. 1780.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Assam Rifles Group Insurance Scheme, Shillong", for the purpose of the said clause for the assessment year 1987-88.

[No. 7282/F. No. 197/46/87-IT(A1)]

(आयकर)

का. प्रा. 1781.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ "एक्शन फॉर फूड प्रोडक्शन, नई दिल्ली" को कर निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7283/फा. सं. 197/105/78-प्रा. क. नि-1]

(INCOME-TAX)

S.O. 1781.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Action for Food Production, New Delhi" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7283/F. No. 197/105/78-IT (A1)]

आय-कर

का. प्रा. 1782.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "नेशनल सोसायटी फॉर क्लीन सिटीज़-इण्डिया" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 तक के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7286/फा. सं. 197/31/86-प्रा. क. नि-1]

रोशन सहाय, चवर सचिव

(INCOME-TAX)

S.O. 1782.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby

notifies "National Society for Clean Cities—India", for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7286/F. No. 197/31/86-IT(A1)]
ROSHAN SAHAY, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1987

(भायकर)

का. भा. 1783:—भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "इंस्टीट्यूट फॉर मोटिवेटिंग सैल्फ एम्प्लायमेंट, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 तक के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7141/का. सं. 197/142/84-भा. का. (नि०-1)]

New Delhi, the 18th February, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1783.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Institute for Motivating Self-employment, Calcutta" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7141/F. No. 197/142/84-IT(A1)]

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1987

(भायकर)

का. भा. 1784:—भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "इण्डियन स्टैंडर्ड्स इंस्टीट्यूशन" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7169/का. सं. 197/110/84-भा. का. (नि०-1)]

New Delhi, the 10th March, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1784.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Standards Institution" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7169/F. No. 197/110/84-IT (A1)]

(भायकर)

का. भा. 1785:—भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "जायपुर रूरल हेल्थ एण्ड डेवलपमेंट ट्रस्ट, जायपुर" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7170/का. सं. 197/3/85-भा. का. (नि०-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 1785.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Jaipur Rural Health & Development Trust, Jaipur" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7170/F. No. 197/3/85-IT (A1)]

(भायकर)

का. भा. 1786:—भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ "लिटल सिस्टर्स आफ दी पूअर, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7171/का. सं. 197-क1/73/82-भा. का. (नि०-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 1786.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Little Sisters of the Poor, Calcutta" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7171/F. No. 197A/173/82-IT(A1)]

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1987

(भायकर)

का. भा. 1787:—भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ "मारवारी रिलीफ सोसायटी, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7186/का. सं. 197/32/86-भा. का. (नि०-1)]

New Delhi, the 18th March, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1787.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Marwari Relief Society, Calcutta" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7186/F. No. 197/32/86-IT(A1)]

(भायकर)

का. भा. 1788:—भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "महोपात्रम रुप्रम आश्रम, अहमदाबाद" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7187/का. सं. 197/85/86-भा. का. (नि०-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 1788.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Mahapatram Rupram Ashram, Ahmedabad" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7187/F. No. 197/85/86-IT(A1)]

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1987

(भायकर)

का. भा. 1789:—भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ "एनोसिएशन फॉर सोशियल हेल्थ इत डेवलपमेंट, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1984-85 से 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7223/का. सं. 197/149/84-भा. का. (नि०-1)]

New Delhi, the 6th April, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1789.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Association for Social Health in India, New Delhi" for the purpose of the said clause for the assessment years 1984-85 to 1987-88.

[No. 7223/F. No. 197/149/84-IT(A1)]

नई दिल्ली, 19 मई, 1987

(आयकर)

का.भा. 1790.—आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ "तिब्बतन होम्स फाउंडेशन" दिल्ली को कर निर्धारण वर्ष 1985-88 से 1987-88 के लिये अधिसूचित करती है।

[सं. 7280/फा.सं. 197/174/86-आ.क. (नि. - 1)]

New Delhi, the 19th May, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1790.—In exercise of the powers conferred by (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Tibetan Homes Foundation, Delhi" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7280/F. No. 197/174/86-IT(A1)]

(आयकर)

का.भा. 1791.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "वाल्मटेरी हेल्थ एसोसिएशन आफ इंडिया, नई दिल्ली" को कर निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 तक के लिये अधिसूचित करती है।

[सं. 7284/फा.सं. 197/116/84-आ.क. (नि.-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 1791.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961, (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Voluntary Health Association of India, New Delhi" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7284/F. No. 197/116/84-IT(A1)]

(आयकर)

का.भा. 1792.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "मुस्लिम वूमैन एण्ड सोसाइटी, मद्रास" को कर निर्धारण वर्ष 1986-87 से 1987-88 के लिये अधिसूचित करती है।

[सं. 7287/फा.सं. 197/53/85-आ.क.नि.-1]

दलीप सिंह, विशेष कार्य अधिकारी

INCOME-TAX)

S.O. 1792.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Muslim Women Aid Society, Madras" for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 and 1987-88.

[No. 7287/F. No. 197/53/85-IT(A1)]

DALIP SINGH, Officer on Spl. Duty

नई दिल्ली, 10 जून, 1987

(आयकर)

का. भा. 1793 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 193 के परन्तुक (iiख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, बम्बई द्वारा जारी "11% भा. मो. वि. बैं. 2001 (43वीं शृंखला)" को विनिर्दिष्ट करती है :

बशर्ते कि पूर्णकाल अथवा वितरण द्वारा इस प्रकार के बन्ध पत्रों के अन्तर्गत के मामले में उक्त परन्तुक के अन्तर्गत लाभ तब स्वीकार्य होगा यदि अन्तरिक्त इस प्रकार के अन्तर्गत से 60 दिनों की अवधि के भीतर भारतीय औद्योगिक विकास बैंक को रजिस्टर्ड डाक द्वारा सूचित करें।

[सं. 7346/फा. सं. 275/22/87-आ. क. (ब)]

New Delhi, the 10th June, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1793.—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of the proviso to section 193 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies "11 per cent IDBI Bonds 2001 (43rd Series)" issued by the Industrial Development Bank of India, Bombay, for the purposes of the said clause:

Provided that the benefit under the said proviso shall be admissible in the case of transfer of such bonds by endorsement or delivery, if the transferee informs the Industrial Development Bank of India by registered post within a period of sixty days of such transfer.

[No. 7346/F. No. 275/22/87-IT (B)]

का. भा. 1794 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का. 43) की धारा 193 के परन्तुक (iiख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, बम्बई द्वारा जारी "11% भा. मो. वि. बैं. बन्ध पत्र 2002 (44वीं शृंखला)" को विनिर्दिष्ट करती है।

बशर्ते कि पूर्णकाल अथवा वितरण द्वारा इस प्रकार के बन्ध पत्रों के अन्तर्गत के मामले में उक्त परन्तुक के अन्तर्गत लाभ तब स्वीकार्य होगा यदि अन्तरिक्त इस प्रकार के अन्तर्गत से 60 दिनों की अवधि के भीतर भारतीय औद्योगिक विकास बैंक को रजिस्टर्ड डाक द्वारा सूचित करता है।

[सं. 7347/फा. सं. 275/38/87-आ. क. (ब)]

बा. नागराजन, निदेशक

S.O. 1794.—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of the proviso to section 193 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies "11 per cent IDBI Bonds 2002 (44th Series)" issued by the Industrial Development Bank of India, Bombay, for the purposes of the said clause:

Provided that the benefit under the said proviso shall be admissible in the case of transfer of such bonds by endorsement or delivery, if the transferee informs the Industrial Development Bank of India by registered post within a period of sixty days of such transfer.

[F. No. 275/38/87-IT(B)]

B. NAGARAJAN, Director

नई दिल्ली, 24 जून, 1987

आदेश

स्टाम्प

का.मा. 1795:—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा पीको इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इलेक्ट्री-कल्स लि., कलकत्ता का मात्र सातह लाख पचास हजार रुपये के उन समेकित स्टाम्प शुल्क की प्रशङ्गा करने की अनुमति देती है, जो निम्न-लिखित पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभावी है :—

- (क) प्रत्येक 1000 रु. के स्टाम्प शुल्क के 80,000 निजी तौर पर रखे गए ऋणपत्र जो छः लाख रुपये की राशि के हैं;
- (ख) प्रत्येक 100 रु. के स्टाम्प शुल्क के 2,00,000 ए. जी. आई. ऋणपत्र जो एक लाख पचास हजार रुपये की राशि के हैं;
- (ग) प्रत्येक 100 रु. के स्टाम्प शुल्क के 12,00,000 अधिकार ऋणपत्र जो 9 लाख रुपये की राशि के हैं।

ये ऋणपत्र उक्त कम्पनी द्वारा जारी किए जाने वाले मात्र कुल बाईस करोड़ रु. के प्रकृत मूल्य के हैं।

[सं. 28/87-स्टाम्प-का. सं. 33/22/87-वि. क.]

बी. भार. मेहता, अवर सचिव

New Delhi, the 24th June, 1987

ORDER

STAMPS

S.O. 1795.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Peico Electronics and Electricals, Limited, Calcutta to pay consolidated stamp duty of rupees sixteen lakhs and fifty thousand only, chargeable on account of the stamp duty on

- (a) 80,000 Privately placed debentures of Rs. 1000 each stamp duty amounting to Rs. 6 lakhs;
- (b) 2,00,000 AGI debentures of Rs. 100 each stamp duty amounting to Rs. 1.50 lakhs;
- (c) 12,00,000 Rights debentures of Rs. 100 each stamp duty amounting to Rs. 9 lakhs,

of the total face value of rupees twenty two crores only to be issued by the said Company.

[No. 28/87-Stamp-F. No. 33/22/87-ST]

B. R. MBHMI, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(वैकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 26 जून, 1987

का.मा. 1796:—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम 1970 के खंड 9 के उपखंड (2) के साथ पठित खंड 3 के उपखंड (ख) (1) के अधिनियम में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री बी.एम. करकरा, विशेष सहायक, मिडिक्रेट बैंक, केन्द्रीय लेखा विभाग, चेन्नई को दिनांक 26 जून, 1987 से 25 जून, 1990 तक मिडिक्रेट बैंक के निदेशक संयंत्र में निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 15/2/82-आई.आर.]

ताजवर खानम साहनी, निदेशक

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 26th June, 1987

S.O. 1796.—In pursuance of sub-clause (b)(i) of clause 3, read with sub-clause (2) of clause 9, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, Central Government hereby appoints Shri B. M. Karkera, Special Assistant, Syndicate Bank, Central Accounts Department, Bombay as a Director on the Board of Directors of Syndicate Bank with effect from 26th June, 1987 to 25th June, 1990.

[No. 15/2/82-JR]

TAJWAR RAHMAN SAHNI, Director

नई दिल्ली, 26 जून, 1987

का.मा. 1797:—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा यह घोषणा करती है कि बैंककारी विनियमन (सहकारी समितियों) नियम, 1966 के नियम 10 के साथ पठित बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (जैसा कि सहकारी समितियों पर लागू है) की धारा 31 के प्रावधान शोरानुर को-ऑपरेटिव ग्रुप बैंक लि., पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहाँ तक वे लेखा रिपोर्ट सहित दिनांक 30 जून, 1986 को समाप्त वर्ष के लिये उसका तुलन-पत्र तथा लाभ और हानि लेखा सारांश-पत्र में प्रकाशित होने से संबंधित है।

[संख्या एक. 8-2/87-ए.सी.]

New Delhi, the 26th June 1987

S.O. 1797.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 31 of the Banking Regulation Act, 1949 (As applicable to Co-operative Societies) read with Rule 10 of Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 shall not apply to Shoranur Co-operative Urban Bank Ltd., so far as they relate to the publication of its balance sheets and profit and loss account for the year ended 30th June, 1986 together with the auditors report in a news paper.

[F. No. 8-2/87-AC]

का.मा. 1798:—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा यह घोषणा करती है कि बैंककारी विनियमन (सहकारी समितियाँ) नियम, 1966 के नियम 10 के साथ पठित बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (जैसा कि सहकारी समितियों पर लागू है) की धारा 31 के प्रावधान नेममारा को-ऑपरेटिव ग्रुप बैंक लि., पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहाँ तक वे लेखा रिपोर्ट सहित दिनांक 30 जून, 1986 को समाप्त वर्ष के लिये उसका तुलन-पत्र तथा लाभ और हानि लेखा सारांश-पत्र में प्रकाशित होने से संबंधित है।

[संख्या एक. 8-2/87-ए.सी.]

S.O. 1798.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 31 of the Banking Regulation Act, 1949 (As applicable to Co-operative Societies) read with Rule 10 of Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 shall not apply to Nemmara Cooperative Urban Bank Ltd., so far as they relate to the publication of its balance sheet and profit and loss account for the year ended 30th June, 1986 together with the auditors report in a news paper.

[F. No. 8-2/87-AC]

का.आ. 1799.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा यह घोषणा करती है कि बैंककारी विनियमन (सहकारी समितियों) नियम, 1966 के नियम 10 के साथ पठित बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (जैसा कि सहकारी समितियों पर लागू है) की धारा 31 के प्रावधान पर्यागढी अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लि., पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक वे लेखा रिपोर्ट सहित दिनांक 30 जून, 1986 को समाप्त वर्ष के लिये उसका तुलन-पत्र तथा लाभ-हानि लेखा समाचार-पत्र में प्रकाशित होने से संबंधित है।

[एफ. संख्या 8-2/87-बी.ए.]

S.O. 1799.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 31 of the Banking Regulation Act, 1949 (As applicable to Co-operative Societies) read with Rule 10 of Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 shall not apply to Payingadi Urban Co-operative Bank Ltd., so far as they relate to the publication of its balance sheet and profit & loss account for the year ended 30th June, 1986 together with the auditor's report in a newspaper.

[F. No. 8-2/87-AC]

का.आ. 1800.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा यह घोषणा करती है कि बैंककारी विनियमन (सहकारी समितियों) नियम, 1966 के नियम 10 के साथ पठित बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (जैसा कि सहकारी समितियों पर लागू है) की धारा 31 के प्रावधान बड़गोरा अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लि., पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक वे लेखा रिपोर्ट सहित दिनांक 30 जून, 1986 को समाप्त वर्ष के लिये उसका तुलन-पत्र तथा लाभ-हानि लेखा समाचार-पत्र में प्रकाशित होने से संबंधित है।

[एफ. सं. 8-2/87-ए.सी.]

S.O. 1800.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 31 of the Banking Regulation Act, 1949 (As applicable to Co-operative Societies) read with Rule 10 of Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 shall not apply to Badagara Urban Co-operative Bank Ltd., so far as they relate to the publication of its balance sheet and profit & loss account for the year ended 30th June, 1986 together with the auditor's report in a newspaper.

[F. No. 8-2/87-AC]

का.आ. 1801.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा यह घोषणा करती है कि बैंककारी विनियमन (सहकारी समितियों) नियम, 1966 के नियम 10 के साथ पठित बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (जैसा कि सहकारी समितियों पर लागू है)

पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक वे लेखा रिपोर्ट सहित दिनांक 30 जून, 1986 को समाप्त वर्ष के लिये उसका तुलन-पत्र तथा लाभ-हानि लेखा समाचार-पत्र में प्रकाशित होने से संबंधित है।

[एफ. संख्या 8-2/87-ए.सी.]

S.O. 1801.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 31 of the Banking Regulation Act, 1949 (As applicable to Co-operative Societies) read with Rule 10 of Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 should not apply to Mappur Co-operative Urban Bank Ltd., so far as they relate to the publication of its balance sheet and profit & loss account for the year ended 30th June, 1986 together with the auditor's report in a newspaper.

[F. No. 8-2/87-AC]

K. P. PANDIAN, Under Secy.

नई दिल्ली 10 जून, 1987

का.आ. 1802.—राष्ट्रिय बैंक (प्रबंध और परिचालन व्यवस्था) योजना, 1970 की धारा 3 की उपधारा (घ) के अनुसूचन में केन्द्रीय सरकार श्री एम. के. कपूर, संयुक्त मुख्य अधिकारी बैंकिंग परिचालन और विकास विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को श्री सी टी गधिया के स्थान पर एतद्वारा बैंक आफ महाराष्ट्र के निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[एफ. संख्या 9/4/87-बी.ओ. I]

एम एम सीतारामन अवतर सचिव

New Delhi, the 29th June, 1987

S.O. 1802.—In pursuance of sub-clause (g) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints Shri S. K. Kapur, Joint Chief Officer, Department of Banking Operations and Development, Reserve Bank of India, Bombay as a Director of Bank of Maharashtra vice Shri V. T. Gadha.

[F. No. 9/4/87-BO. I]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy

बाणिज्य मंत्रालय

(सहायक मुख्य नियंत्रक, आयन-नियंत्रण व कार्यालय)

पटना, 9 जून, 1987

विषय—श्री विनय कुमार मिश्रा, पटना, के पत्र में जारी किए 3,000/- रुपये के मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट सं. पीजे/3070269/सी, दिनांक 11-7-86 को रद्द करने का आदेश।

का. आ. 1803.—श्री विनय कुमार मिश्रा, "कृष्णा कुज", बोरिंग रोड, पटना (बिहार) का सी.जे. दिए गए विवरण के अनुसार एक सीमा-शुल्क निकासी परमिट दिया गया था—

सीमा-शुल्क निकासी परमिट संख्या एवं तिथि	मूल्य	माध्यता	मद
पी.जे./3070269/सी.	3000/- रु.	30-4-87	1 नव एन.
दिनांक 11-7-86	(केवल तीन हजार रुपये)	नक	पी. बी. रिवीन्स

उन्होंने इस आधार पर कि 3000/- रु. के मूल्य का मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट सीमा-शुल्क अधिकरण, तत्काल के पास पंजीकृत करवाए बिना ही खो/अस्थानस्थ हो गया है, सीमा शुल्क निकासी परमिट की अनुविधि जारी करने या अनुरोध किया है। अनुविधि के लिए अनुरोध 3000/- रु. (केवल तीन हजार रुपये) की पूरी राशि के लिए किया गया है।

इस तर्क के समर्थन में प्रार्थी ने कार्यकारी न्याय दण्डाधिकारी, पटना द्वारा माध्यस्थित रशम्य वेयर पर एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल सी. नि. प. खो/अस्थानस्थ हो गया है और निदेश देता हूँ कि प्रार्थी को अनुविधि जारी कर दी जाए। 3000/- रु.

के सी. सी. पी. सं. पी/3070269, दिनांक 11-7-86 की मूल प्रति को रद्द मान लिए जाए।

विषय.—श्री बिनय कुमार सिन्हा, "कृष्ण कुंज", बोरिंग राड, पटना (बिहार) को सीमा-शुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि प्रति जारी करना।

श्री बिनय कुमार सिन्हा, "कृष्ण कुंज", बोरिंग राड, पटना (बिहार) को नीचे दिए गए विवरण के अनुसार सीमा-शुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि प्रति जारी कर दी गई है। मूल सी. ति. प. वॉर्ड और जब कभी उनके पत्तन कार्यालय में प्रस्तुत किया जाए, तत्पश्चात् इस कार्यालय को वापस कर दिया जाता चाहिए।

क्रम सं. ना-शुल्क सं. निकासी	मूल सीमा-शुल्क निकासी	मूल्य	वैध अवधि
परमिट की अनुलिपि प्रति की संख्या एवं तिथि	परमिट जिसके मद्दे जारी की गई		

1. श्री. सी. सी. पी/3070269/3000/-रु. 30-4-87 1 संख्या एन. पी. संख्या डी. सी. नं. पी. बोर 2471377 दिनांक रिबोल्वर दिनांक 8-6-87 11-7-86
[फारल सं. सी. पी. 6/ए. यू. ए. एम. 87/विष्ट/3]
एम. के. प्रसाद, सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Asstt. Chief Controller of Imports & Exports)

Patna, the 8th June, 1987

Subjects:—Order for cancellation of Original Customs Clearance permit No. P/J/3070269/C dt. 11-7-86 for Rs. 3,000 issued in favour of Shri Binay Kumar Sinha, Patna.

S.O. 1803.—Shri Binay Kumar Sinha, "Krishna Kunj", Boring Road, Patna, (Bihar) was granted a C.C.P. as per details given below:—

C.C.P. No. & date	Value	Validity period	Item
P/J/3070269/C dt. 11-7-86.	Rs. 3,000/- (Rupees Three thousand only.)	Upto 30-4-87	1 No. N.P. Bore Revolver

He has requested for issue of duplicate copy of Customs Clearance Permit on the ground that the original C.C.P. has been lost/misplaced without having been registered with customs Authority, Calcutta to the tune of Rs. 3,000. The duplicate copy has been requested for the full amount of Rs. 3,000 (Rupee Three thousand only).

In support of this contention the applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested by the Executive Magistrate, Patna. I am satisfied that original C.C.P. has been lost or misplaced and direct that duplicate copy be issued to the applicant. The original copy of C.C.P. No.

P/J/3070269 dated 11-7-86 for Rs. 3,000 may be deemed to have been cancelled.

Subject:—Issue of duplicate copy of the C.C.P. to Shri Binay Kumar Sinha, "Krishna Kunj", Boring Road, Patna, (Bihar).

Duplicate C.C.P. as per details given below has been issued to Shri Binay Kumar Sinha, "Krishna Kunj", Boring Road, Patna, (Bihar). The original C.C.P., if and when presented to his port should be returned to this office immediately.

Sl. No.	Duplicate C.C.P. No. & date	Original C.C.P. against which issued	Value	Validity period	Item
1.	D.C.C.P. No. D 2471377 Dt. 1-6-87	P/J/3070269/C dt. 11-7-86.	Rs. 3,000/-	Upto 30-4-87	1 No. N.P. Bore Revolver.

[File No. CP-63/AU/AM/87/Gift/3].

S. K. PRASAD, Asstt. Chief Controller of Imports and Exports

उद्योग संचालन

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 29 जून, 1987

पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 1612/82) के निरस्तीकरण की अधिसूचना करनी है।

[सं. 16/12/86-एम-3]

एम. सी. गोदाम, प्रवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 29th June, 1987

का. आ 1804.—एकाधिकार तथा प्रबन्धक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप धारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एन. गेट गेट पाटिल इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय सी. ओ., उष्मा गेट जिला कोल्हापुर-416005, महाराष्ट्र के कनिष्ठ अधिनियम के अन्तर्गत

S.O. 1804.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Ghatge Patil

Industries Ltd., having its registered office at P. O. Uchagaon, Distt. Kolhapur-416005, Maharashtra under the said Act (Certificate of Registration No. 1612/82).

[No. 16/12/86-M. III]

L. C. GOYAL, Under Secy

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 30 जून, 1987

का. धा. 1805 :—केंद्रीय सरकार, वरकारों द्वारा (अप्रतिष्ठित अधिनियमों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे मारणी के सम्म (1) में उल्लिखित अधिकारी को, जो दिल्ली राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड, नई दिल्ली का अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए संपदा अधिकारी नियुक्त करती है। उक्त अधिकारी, उक्त मारणी के सम्म (2) में वर्णित प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन संज्ञा अधिकारों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेगा और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

सारणी

अधिकारी का पद नाम	सरकारी स्थानों के प्रवर्तन और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं
(1)	(2)
1. श्री कमलेश चन्द्र, मुख्य परियोजना प्रबंधक, दिल्ली राज्य औद्योगिक विकास निगम, नई दिल्ली	दिल्ली राज्य औद्योगिक विकास निगम लि., नई दिल्ली के स्वामित्व में/द्वारा अर्जित या किराए पर लिए गए लोक परिसर।

[का. सं. 15(12)/85-एस एम आई (पी)]

प्रार. श्री. राजवानी, प्रवर सचिव

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

New Delhi, the 30th June, 1987

S. O. 1805.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the Officer mentioned in column (1) of the Table below, being officer of Delhi State Industrial Development Corporation Limited, New Delhi, to be Estate Officer for the purpose of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed on Estate Officer by or under the said Act within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table:—

TABLE

Designation of Officers	Category of Public Premises and local limits of jurisdiction
(1)	(2)
1. Shri Kamlesh Chandra, Chief Project Manager, Delhi State Industrial Development Corporation, New Delhi.	Public Premises owned/acquired or hired by the Delhi State Industrial Development Corporation Limited, New Delhi.

[File No. 15/12/85-SSI(P)]

R.B. AJWANI, Under Secy.

(रसायन और पेट्रोसायन विभाग)

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1987

का. धा. 1806 :—यह केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में मौजे बेगसे, तहसील पेण, जिना रायगढ़ से खार कोपर तहसील अलीबाग, जिना रायगढ़ तक पेट्रोलियम तेल अथवा नैसर्गिक गैस अथवा एफएमएल अथवा अन्य खनिज पदार्थों के परिवहन के लिए पाइप लाइन, इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड, महाराष्ट्र गैस अंकर कॉम्प्लेक्स विभाग, विलेपार्ले (प.) मुंबई द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यह कि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाठ्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

इसलिए कि उक्त भूमि में हितवादी कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशेष सक्षम प्राधिकारी इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड, महाराष्ट्र गैस अंकर कॉम्प्लेक्स, नागोठणा, तहसील रोहा, जिना रायगढ़ को इस अधिसूचना की धारा 3 से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

[का.सं. 34027/1/87-पी.सी.-3]

एन.के. गुन्त, डेप्ट. अधिकारी

धनुषी

पेट्रोलियम और खनिज पार्श्व लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 की धारा 3 की उपधारा (1) अधिसूचना क्रमांक तारीख की धनुषी

स. क्र.	गाँव का नाम	तहसील	जिला	सर्वे नं.	हिस्सा नं.	गट नं.	हेक्टर	क्षेत्र	प्रार
1	2	3	4	5	6	7	8		9
1.	बेहरी	पेण	रायगढ़	13	1 से 8 (पी)	—	—		37.0
				12	1 (पी)	—	—		29.0
				12	3(2) ए/ 3(2) बी पी	—	—		21.0
				11 (पी)	— (पी)	रू —	—		33.5
				9	2 (पी)				14.5
				9	4 (पी)				39.5
				53	1 (पी)				12.5
				41	0 (पी)				18.0
				87	1 (पी)				27.0
2.	मोतीरपाडा	पेण	रायगढ़	1	0 (पी)				49.5
				2	0 (पी)				27.0
				138	0 (पी)				24.0
				132	8 (पी)				04.0
				132	5 (पी)				17.0
				131	0 (पी)				04.0
				138	0 (पी)				11.0
				64	1 (पी)				03.5
				130	2 (पी)				03.0
				130	4 (पी)				04.0
				130	1 (पी)				03.0
				65	1 (पी)				11.0
				65	4 (पी)				05.0
				65	7 (पी)				01.0
				127	4 (पी)				01.0
				127	(5 पी)				23.0
				68	1 (पी)				28.0
				126	1 (पी)				21.0
				126	2 (पी)				04.0
				126	3 (पी)				05.0
				125	3 (पी)				01.0
				125	4 (पी)				06.0
				68	0 (पी)				03.0
				69	1 (पी)				14.0
				69	3 (पी)				09.0
				119	0 (पी)				12.0
				72	3 (पी)				24.0
				72	2 ¹ / ₂ (पी)				10.0
				72	1 (पी)				01.0
				74	1 (पी)				01.0
				74	5 (पी)				12.0
				74	3 (पी)				17.0
				74	2 (पी)				11.5
				74	4 ¹ / ₂ (पी)				10.0
				76	3 (पी)				03.5
				77	2-ए (पी)				22.5
				77	2-बी (पी)				02.5
				77	1 (पी)				18.0
				88	4 (पी)				16.0
				88	2 (पी)				06.0

1	2	3	4	5	6	7	8	9
3.	कुंआपी	वेण	रामगड			58 (पी)		5.0
						57 (पी)		16.0
						56 (पी)		08.0
						59 (पी)		10.0
						50 (पी)		05.0
						51 (पी)		05.0
						45 (पी)		25.0
						41 (ए)		01.0
						41 (बी) (पी)		—
						40 (पी)		26.0
						39 (पी)		07.0
						8 (पी)		07.0
						32 (पी)		02.0
						33 (पी)		03.0
						30 (पी)		07.0
						214 (पी)		04.0
						34 (पी)		00.5
						29 (पी)		15.0
						212 (पी)		23.0
						27 (पी)		14.0
						26 (पी)		05.0
						25 (पी)		01.0
						16 (पी)		07.0
						17 (पी)		05.0
4.	अरिबर्छा	वेण	रामगड	16 (पी)				26.5
				17	1 (पी)			05.8
				17	2 (पी)			27.0
				17	3 (पी)			05.0
				15	1 (पी)			01.0
				15	2 (पी)			02.5
				18	0 (पी)			09.6
				19	1 ए (पी)			01.2
				21	1 (पी)			20.9
				21	2 (पी)			00.2
				21	4 (पी)			22.5
				22	0 (पी)			08.6
				23	5 (पी)			13.9
				23	6 (पी)			04.3
				26	1 (पी)			14.4
				26	2 (पी)			29.0
				26	3 (पी)			01.7
				26	4 (पी)			07.8
				28	1 (पी)			16.4
				28	2 (पी)			13.0
				29	1 (पी)			10.8
				29	3 (पी)			07.3
				29	4 (पी)			35.9
				30	2 ए (पी)			02.2
				31	1 (पी)			04.3

1	2	3	4	5	6	7	8	9
5	गर्बि	पेण	रायगढ़	19	0 (पी)			07.8
				20	1 (पी)			07.8
				20	2 (पी)			05.5
				20	3 (पी)			02.7
				13	3 (पी)			03.5
				18	2 (पी)			18.4
				17	1 (पी)			05.0
				17	2 (पी)			04.5
				17	3 (पी)			17.9
				16	1 (पी)			11.3
				16	2 (पी)			20.4
				16	4 (पी)			09.8
				14	1 (पी)			03.2
				15	1 (पी)			09.0
				15	2 (पी)			13.6
				15	4 (पी)			21.5
				15	5 (पी)			02.2
				24	1 (पी)			04.5
				24	3 (पी)			28.8
				24	5 (पी)			10.3
				25	2 (पी)			20.5
				31	1 (पी)			23.2
				31	3 (पी)			02.0
				31	4 (पी)			08.2
				31	5 (पी)			11.3
				30	10 (पी)			04.5
				30	12 (पी)			21.7
				30	13 (पी)			01.7
				29	2 (पी)			18.7
				29	5 (पी)			04.3
6.	बोले	पेण	रायगढ़	11	0 (पी)			24.0
				13	0 (पी)			08.3
				14	1 ए (पी)			01.0
				14	1 बी (पी)			17.8
				15	1 (पी)			24.0
				15	2 ए (पी)			20.3
				16	0 (पी)			31.5
				17	1 ए (पी)			14.6
				17	1 सी (पी)			10.9
				18	3 (पी)			12.0
				18	4 (पी)			01.7
				18	2 (पी)			00.5
				18	5+6 (पी)			24.5
				20	2 (पी)			24.5
				22	1 ए (पी)			07.6
				22	2 ए (पी)			07.3
				22	2 बी (पी)			05.5
				23	1 ए (पी)			04.6
				23	1 बी (पी)			08.3
				23	2 (पी)			03.7
				23	3 (पी)			07.8
				3	3 (पी)			19.4
				24	1 (पी)			01.7
				17	0 (पी)			12.5

1	2	3	4	5	6	7	8	9
7.	दुर्गद्वी	प्रतिबाग	रायगढ़	1	1 (पी)			24.5
				1	2 (पी)			01.8
				1	3 (पी)			03.5
				1	4 (पी)			01.0
				7	1 (पी)			02.0
				7	2 (पी)			03.5
				6	0 (पी)			38.0
				3	1 (पी)			52.4
				3	2 (पी)			01.0
				4	0 (पी)			06.8
8	साबरी	प्रतिबाग	रायगढ़	23	1 (पी)	191	0	01.0
				24	3 (पी)	115	0	14.9
				25	1 (पी)	118	0	17.4
				25	2 (पी)	114	0	03.5
				25	3 (पी)	118	0	10.8
				25	4 (पी)	119	0	03.2
				35	3 (पी)	132	0	01.2
				35	6 (पी)	151	0	13.4
				35	4 (पी)	150	0	05.5
				35	7 (पी)	149	0	02.2
				26 (पी)	*	120	0	00.7
				32	2 (पी)	146	0	30.0
				32	1 ए (पी)	143	0	00.3
				32	1 बी (पी)	145	0	12.9
				32	3 (पी)	145	0	03.2
				33	0 (पी)	147	0	00.7
				41	2 ए (पी)	167	0	21.7
						168		
				42	1 (पी)	177	0	17.8
				44	1 (पी)	183	0	22.7
				44	4 (पी)	184	0	11.3
				47	2 (पी)	185	0	15.6
				47	3 (पी)	197	0	14.9
				47	5 (पी)	197	0	09.6
				46	3 (पी)	194	0	05.8
9.	नबखार तर्फ श्रीगांव	प्रतिबाग	रायगढ़	19	2 (पी)	113		25.0
				18	1 (पी)	119		19.0
						120		
				17	1 (पी)	121		12.0
				17	2 (पी)	120		11.0
				17	5 (पी)	123		24.0
				40	1 (पी)	74		01.0
				39	1 (पी)	75		17.0
				39	2 (पी)	73		21.0
						42		
				39	4 (पी)	71		10.0
				38	1 (पी)	70		15.0
				36	3 (पी)	67		
				36	1 (पी)	65		07.5
				37	1 (पी)	42		17.0
				37	2 (पी)	174		0.05
				38	5 (पी)	41		04.0
				37	4 (पी)	45		
						46		11.0
				44	3 (पी)	42		01.0

1	2	3	4	5	5	7	8	9
10	सिमादेवी	मन्त्रीबाग	रायगड	11	6 (पी)			03.2
				10	2 (पी)			09.8
				10	6 (पी)			04.5
				10	4 (पी)			07.8
				10	5 (पी)			00.2
				12	1 (पी)			05.5
				12	2 (पी)			11.3
				16	2 (पी)			09.0
11.	फणसापुर	मन्त्रीबाग	रायगड	9	2 (पी)	41		14.0
				9	4 (पी)	38		16.0
				8	2 (पी)	41		14.0
				8	3 (पी)	36		16.0
				8	4 (पी)	37		14.5
				7	2 (पी)	35		13.0
				7	2 (पी)	30		01.0
				7	4 (पी)	29		15.0
				6	7 (पी)	28		02.5
				31	2 (पी)	111		04.0
				32	1 (पी)	115		19.0
						112		
				32	2 (पी)	114		01.0
				32	3 (पी)	116		14.0
				32	4 (पी)	117		09.0
				32	5 (पी)	188		02.0
						118		
				33	1 (पी)	121		23.5
				33	3 (पी)	123		0.35
				39	2 (पी)	121		08.0
				39	5 (पी)	139		14.0
				35	1 (पी)	133		12.5
				38	2 (पी)	138		14.0
				38	4 (पी)	137		29.0
				40	1 (पी)	146		10.0
				40	2 (पी)	146		08.0
				40	3 (पी)	151		01.5
12.	कुईरा	मन्त्रीबाग	रायगड	24ए	2 (पी)	107		00.7
				24बी	— (पी)	108		00.3
				24डी	4 (पी)	—		09.8
				27	0 (पी)	104		23.5
				26	1 (पी)	113		02.3
				26	2 (पी)	112		11.3
				28	3 (पी)	111		00.3
13	खार कोपरी	मन्त्रीबाग	रायगड	1	1 (पी)	4		04.5
				1	2 (पी)	3		02.7
				1	3 (पी)	2		14.9
				1	5 (पी)	2		23.7
				3	1 (पी)	9		01.5
				4	2 (पी)	10		12.6
				4	1 (पी)	11		12.3
				5	1 (पी)	18		29.3
				6	1 (पी)	19		12.0
				6	2 (पी)	9		02.0
				8	1 (पी)	21		16.9

1	2	3	4	5	6	7	8	9
13.	भार कोपरी	लिबाग	रायगढ़	8	2 (पी)	33		11.6
				8	3 (पी)	25		20.4
				8	5 (पी)	14		03.7
				11	1 (पी)	42		24.2
				11	2 बी (पी)	3		03.0
				11	2 सी (पी)	41		09.8
				12	2 (पी)	45		23.2
				12	4 (पी)	44		06.8
				12	5 (पी)	45		03.2
				13	2 ए (पी)	46	}	16.9
				13	2 बी/1 (पी)	47		
				13	2 बी/2 (पी)	47		
				14	5 (पी)	54		05.5
				26	36 (पी)	103		10.8
					3 बी (पी)			
				24	1 ए (पी)	101		02.0
						102		
				24	1 बी (पी)	103		13.6
				24	2 (पी) ¹	101		25.0
				24	4 ए (पी)	88	}	08.8
				24	4 बी (पी)	98		
				22	2 ए (पी)	85	}	02.5
				22	2 बी (पी)	85		
				22	3 (पी)	100		16.4
				23	2 बी	89		03.7
				23	3 (पी)	90		25.0
				23	4 (पी) ¹	88		00.7
14.	विशाली	प्रतिभाग	रायगढ़	32	1 (पी)	107		01.0
				32	2 ए (पी) ¹	109		14.9
				32	3 (पी)	102		16.9
				32	2 बी (पी)	103		17.6
				32	4 (पी)	108		04.3
				15	ए/1 (पी)	53		15.6
				15	ए/3 (पी)	51		06.0
				17	3 (पी)	159		02.5
				31	4 (पी)	101		06.8
				18	1+2 बी (पी) ¹	60		08.8
				18	1+2 सी (पी) ¹	52		10.0
				11	2	30,31 (पी)		30.0
				7	1 (1)	23,25 (पी)		09.6
				7	1 (2)	24 (पी) ¹		09.9
				7ए		23,24,25 (पी)		15.0
				7	2	19 (पी)		09.8
				6	1 ए	17 (पी)		16.6
				6	4	16 (पी)		18.4
15.	वाणवीरा	प्रतिभाग	रायगढ़	1	1	3 (पी)		02.5
				1	3	2 (पी)		05.5
				1	5	8 (पी)		04.8
				2	1	4 (पी)		20.4
				2	5	16 (पी)		05.5
				3	1	15,21 (पी)		01.7

1	2	3	4	5	6	7	8	9
15.	बाघ क्षेत्र	अलिबाग	रायगढ़	3	2	17,19 (पी)		31.0
				3	3	20 (पी)		17.0
				5	2	26 (पी)		0.2
				5	3	31 (पी)		11.8
				5	ए+4	28 (पी)		12.3
					डी			
				5	1 बी	30 (पी)		26.0
				6	1 बी	32 (पी)		17.9
				6	2	33 (पी)		01.7
				6	3	32 (पी)		08.8
				19	4	79 (पी)		07.8
				20	1	85 (पी)		09.8
				20	5 (पी)	82 (पी)		19.9
				20	2	81 (पी)		03.0
				20	3	83 (पी)		06.0
16	विटकीरी	अलिबाग	रायगढ़	71	0 (पी)			34.4
				70	1	298 (पी)		0.2
				68	5 (पी)			13.1
				66	1	277 (पी)		07.3
				66	3	275, 276 (पी)		12.6
				66	2	274 (पी)		24.0
				64	1 ए (पी)			10.3
				64	2 ए/1 (पी)			05.5
				64	3 बी (पी)			20.2
				64	3 ए (पी)			02.7
				64	2ए/2 (पी)			08.3
				64	2 बी (पी)			17.7
				61	4 (पी)			02.7
				61	5 (पी)			19.4
				62	1 बी (पी)			0.7
				61	1 सी (पी)			01.0
				62	2 (पी)			05.0
				62	3 (पी)			14.6
				63	0 (पी)			02.7
17	कुम्भले	अलिबाग	रायगढ़	पुराना/नया				
				134	57	1 बी		02.5
				135	58 (पी)			65.0
				136	59 (पी)	4		02.0
				139	63 (पी)	5		02.0
				139	63 (पी)	1		18.4
				139	63 (पी)	2		27.8
				142	68 (पी)	3		09.0
				142	68 (पी)	4		06.5
				142	68 (पी)	1		17.0
				143	69 (पी)	7		08.8
				143	69 (पी)	8 ए		11.0
						8 बी		
				143	69 (पी)	3		15.6
				143	69 (पी)	4		01.7

[illegible]

1	2	3	4	5	6	7	8	9
20	श्रीगांव भाग (1)	प्रसिद्धांग	रायगढ़	5 4	0 0	17 (पी) 18 14 (पी) 19		07.3 19.7
				14 ए	1	49 (पी)		08.6
				14 ए	2	50 (पी)		23.2
				14 ए	3	51 (पी)		01.5
				15	0	52 (पी)		02.0
20.	श्रीगांव (भाग 2)	प्रसिद्धांग	रायगढ़	34	0	139, 140 150 (पी) 137		
				35	3	2 (पी)		01.0
				34	4	150 (पी)		14.1
				35	5	151 (पी)		11.8
				36	0	153 (पी)		14.1
				33	1 (पी)			06.8
				37	1	156 (पी)		19.2
				37	2	159 (पी)		35.4
						160 107		
				45	0	194 (पी)		34.3
				44	3	190 (पी)		13.1
				43	38 (पी)			01.2
				43	1ए + 3क	187 (पी)		04.3
				43	12	188 (पी)		32.6
				43	4	189 (पी)		09.3
				43	1	196 (पी)		07.5
				47	2	197 (पी)		00.5
				47	3	198 (पी)		18.7
				47	5	112 (पी)		15.9
				49	1	207 (पी)		16.4
				49	2	207 (पी)		03.5
21.	पोयनाह	प्रसिद्धांग	रायगढ़	180	0 (पी)		1	05.2
				85	1 (पी)			02.2
				66	1 (पी)			26.8
				66	2 (पी)			15.4
				64	0 (पी)			08.5
				67	1 (पी)			32.6
				67	2 (पी)			04.0
				68	0 (पी)			59.6
				69	0 (पी)			10.1
				70	4 (पी)			00.7
22.	झांसेपुर	प्रसिद्धांग	रायगढ़	19	1 (पी)		1	16.6
				17	0 (पी)			01.0
				57	1 (पी)			03.0
				67	4 (पी)			16.6
				57	6 (पी)			15.1
				69	— (पी)			12.4
				69ए	— (पी)			15.1

1	2	3	4	5	6	7	8	9
22. आंबपुर	अलिबाग	रायगढ़	68	1 (पी)				06.3
			68	2 (पी)				03.7
			68	4 (पी)				00.2
			68	5 (पी)				00.5
			65ए	(पी)				63.0
23. पेजारी	अलिबाग	रायगढ़	79	1 (पी)				16.1
			79	2 (पी)				24.7
			79	3 (पी)				1.7
			79	4/1 (पी)				15.1
			79	4 (2) (पी)				7.8
			86	5 (2) (पी)				18.8
			84	1 (पी)				24.0
			84	2 (पी)				03.5
			84	3 (पी)				15.1
			84	4 (पी)				10.3
			86	1 (पी)				19.2
			1	1 (पी)				20.4
			2	2 (पी)				08.0
			2	1 (पी)				04.5
			2	3 (पी)				29.0
			3	1 (पी)				25.8
			3	2 (पी)				14.1
			6	2 (पी)				01.0
			5	1 (पी)				22.0
			5	3 (पी)				00.7
			5	4 (पी)				17.4
			5	5 (पी)				01.2
			5	8 (पी)				01.2
			8	1 (पी)				15.7
			8	2 (पी)				7.8
			8	3 (पी)				7.5
			9	6 (पी)				1.2
			9	7 (पी)				15.9
			9	8 (पी)				3.2
			11	0 (पी)				6.0
24. नकबार सयदे	अलिबाग	रायगढ़	8	— (पी)				06.0
			9	1ए (पी)				11.3
			9	1बी (पी)				
			9	3 (पी)				25.0
			10	2 (पी)				24.0
			10	3 (पी)				04.0
			4	4 (पी)				06.3
			4	2 (पी)				04.8
			4	3 (पी)				18.9
			5	1 (पी)				29.0
			5	3ए				
			5	3बी (पी)				01.7
24. नावबार	अलिबाग	रायगढ़	6	1 (पी)				07.3
			6	2 (पी)				07.3
			7	1 (पी)				
			7	2 (पी)				03.0
			8	1ए (पी)				
			8	1बी (पी)				17.7
			8	(पी)				06.8

1	2	3	4	5	6	7	8	9
				8	4ए } (पी)			12 9
				8	4बी } (पी)			
				8	6ए } (पी)			01 0
				8	6बी } (पी)			
				8	1(पी)			08 3
				8	5(पी)			08 8
26. नरी	प्रतिभाग	राजगढ़		12	1(पी)			07 5
				12	3(पी)			16 0
				12	7(पी)			06 8
				13	5(पी)			08 6
				13	6(पी)			02 0
				10	1/1(पी)			01 0
				10	1/2(पी)			
				10	2(पी)			02 2
				14	6(पी)			00 5
				9	1(पी)			05 0
				9	2(पी)			08 0
				9	3(पी)			16 6
				7	1(पी)			09 6
				7	3(पी)			04 0
				7	4(पी)			06 0
				7	5(पी)			02 0
				7	6(पी)			04 5
				7	7ए } (पी)			07 3
				7	7बी } (पी)			
				7	8(पी)			01 5
				7	9/1 } (पी)			03 0
				7	9/2 } (पी)			
				7	10(पी)			09 0
				42	3(पी)			09 0
				47	2(पी)			23 0
				48	1ए + 3(पी) "1			16 0
				48	2(पी)			05 0
26. नार कोपर	प्रतिभाग	राजगढ़		40	—(पी)			14 0
				37	—(पी)			02 0
				36	1पी + (पी)			46 0
				35	4(पी)			00 5
				35	3(3)(पी)			16 6
				8	2(पी)			10 8
				8	5ए(1)			
				8	5ए/2 } (पी)			14 6
				8	5ए/(3) } (पी)			
				8	5ए(4)			
				9	2बी + बी			19 9
					—(पी)			
					बी			
				9	2बी + बी			5 8
					—(पी)			
					3			
				9	1 + 2			6 5
					—(पी)			
					ए			

संशय प्राधिकारी

इंडियन पेट्रोहेमोकल्स को लि.

सहाराष्ट्र गैस फाकर क. एन्वेस्टमेंट, गोठने

(Department of Chemicals & Petrochemicals)

New Delhi, the 6th July, 1987

S.O. 1806.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum, oil, natural gas, effluent or any mineral from village Bendse Taluka Pen, District Raigad to village Khar Kopar Taluka Alibag District Raigad in the State of Maharashtra, Pipelines should be laid through the agency of Indian Petrochemicals Corporation Limited, Maharashtra Gas Cracker Complex Division Vile Parle (W), Bombay;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the lands described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals

Pipe Lines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby notify their intention to acquire the right of user in the lands referred to in the schedule;

Any person interested in the said lands having any objection for laying the pipelines through the said lands may prefer an objection within 21 days from the date of the notification, to the Competent Authority, Indian Petrochemicals Corporation Limited, Maharashtra Gas Cracker Complex Division, Nagothane, Tahsil Roha, District Raigad.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

(F. No. 34027/1/87-PC. III)

S. K. GUPTA, Desk Officer

SCHEDULE

Schedule to Notification under Section 3(1) of the Petroleum and Minerals Pipe Lines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962

SCHEDULE

Sr. No.	Name of the Village	Tahsil	District	Survey No.	Hissa No.	Gat No.	Area	
							H.	R.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	Bendse	Pen	Raigad	13	1 to 8(P)	—		37.0
				12	1 (P)	—		29.0
				12	3(2)A(P)	—		21.0
					3(2)B			
				11 P	(P)	—		33.5
				9	2 (P)	—		14.5
				9	4 (P)	—		38.5
				53	1 (P)	—		12.5
				41	0 (P)	—		18.0
				37	1 (P)	—		27.0
				1	0 (P)	—		49.5
				2	1 (P)	—		27.0
				136	0 (P)	—		24.0
				132	8 (P)	—		04.0
2.	Zothirpada	Pen	Raigad	132	5 (P)	—		17.0
				131	0 (P)	—		04.5
				138	0 (P)	—		11.0
				64	1 (P)	—		08.5
				130	2 (P)	—		03.0
				130	4 (P)	—		04.0
				130	1 (P)	—		03.0
				65	1 (P)	—		11.0
				65	4 (P)	—		05.0
				65	7 (P)	—		01.0
				127	4 (P)	—		01.0
				127	5 (P)	—		23.0
				66	1 (P)	—		28.0
				126	1 (P)	—		21.0
				126	2 (P)	—		04.0
				126	3 (P)	—		05.0

1	2	3	4	5	6	7	8	9
				125	3 (P)			01 0
				125	4 (P)			06 0
				68	0 (P)			03.0
				69	1 (P)			14.0
				69	3 (P)			09.0
				119	0 (P)			12.0
				72	3 (P)			24.0
				72	2 (P)			10.0
				72	1 (P)			01 0
				74	1 (P)			01.0
				74	5 (P)			12 0
				74	3 (P)			19.0
				74	2 (P)			13.5
				74	4 (P)			11.0
				76	3 (P)			03 5
				77	2A (P)			22.5
				77	2B (P)			02.5
				77	P—(P)			18.0
				88	4 (P)			16.0
				88	2 (P)			06.0
3	Mundham	Pen	Raigad			58 (P)	—	5.0
						57 (P)	—	16.0
						56 (P)	—	08 0
						59 (P)	—	10.0
						50 (P)	—	05.0
						51 (P)	—	05 0
						45 (P)	—	25.0
						41A (P)	—	01.0
						41B (P)	—	—
						40(P)	—	26.0
						39 (P)	—	07.0
						8 (P)	—	07.0
						32 (P)	—	02.0
						33 (P)	—	03.0
						30 (P)	—	07.0
						214 (P)	—	04.0
						34 (P)	—	00.5
						29 (P)	—	15.0
						212 (P)	—	23.0
						27 (P)	—	14.0
						26 (P)	—	05.0
						25 (P)	—	01.0
						16 (P)	—	07.0
						17 (P)	—	05.0
4.	Ativali	Pen	Raigad	16	(P)	—	—	26.0
				17	1 (P)	—	—	05.8
				17	2 (P)	—	—	27.0
				17	3 (P)	—	—	05.0
				15	1 (P)	—	—	01.0
				15	2 (P)	—	—	02.5
				18	0 (P)	—	—	09 6
				19	1A (P)	—	—	01.2
				21	1 (P)	—	—	20.9
				21	2 (P)	—	—	00.2

1	2	3	4	5	6	7	8	9
				21	4 (P)	—	—	22.5
				22	0 (P)	—	—	08.6
				23	5 (P)	—	—	13.9
				23	6 (P)	—	—	04.3
				26	1 (P)	—	—	14.4
				26	2 (P)	—	—	29.0
				26	3 (P)	—	—	01.7
				26	4 (P)	—	—	07.8
				28	1 (P)	—	—	16.4
				28	2 (P)	—	—	13.0
				29	1 (P)	—	—	10.8
				29	3 (P)	—	—	07.3
				29	4 (P)	—	—	35.9
				30	2A (P)	—	—	02.2
				31	1 (P)	—	—	04.3
5. Gandhe		Pen	Raigad	19	0 (P)	—	—	07.8
				20	1 (P)	—	—	07.8
				20	2 (P)	—	—	05.5
				20	3 (P)	—	—	02.7
				18	3 (P)	—	—	03.5
				18	2 (P)	—	—	16.4
				17	1 (P)	—	—	05.0
				17	2 (P)	—	—	04.5
				17	3 (P)	—	—	17.9
				16	1 (P)	—	—	11.3
				16	2 (P)	—	—	20.4
				16	4 (P)	—	—	09.8
				14	1 (P)	—	—	03.2
				15	1 (P)	—	—	09.0
				15	2(P)	—	—	13.6
				15	4(P)	—	—	21.5
				15	5(P)	—	—	02.2
				24	1(P)	—	—	04.5
				24	3(P)	—	—	26.8
				24	5 (P)	—	—	10.3
				25	2 (P)	—	—	29.5
				31	1 (P)	—	—	23.2
				31	3 (P)	—	—	02.0
				31	4 (P)	—	—	03.2
				31	5 (P)	—	—	11.3
				30	10 (P)	—	—	04.5
				30	12 (P)	—	—	21.7
				30	13 (P)	—	—	01.7
				29	2 (P)	—	—	19.7
				29	5 (P)	—	—	04.3
6. Chole		Pen	Raigad	11	0 (P)	—	—	24.0
				13	0 (P)	—	—	08.3
				14	1A (P)	—	—	01.0
				14	1B (P)	—	—	17.9
				15	1 (P)	—	—	24.0
				15	2A (P)	—	—	28.3
				16	0 (P)	—	—	31.5
				17	1A (P)	—	—	14.6
				17	1C (P)	—	—	10.0
				18	3 (P)	—	—	12.2

1	2	3	4	5	6	7	8	9
				18	4 (P)	—	—	01.7
				18	2 (P)	—	—	00.5
				18	5+6 (P)	—	—	24.5
				20	2 (P)	—	—	24.5
				22	1A (P)	—	—	07.5
				22	2A (P)	—	—	07.3
				22	2B (P)	—	—	05.5
				23	1A (P)	—	—	04.6
				23	1B (P)	—	—	08.3
				23	2 (P)	—	—	03.7
				23	3 (P)	—	—	07.8
				3	3 (P)	—	—	19.4
				24	1 (P)	—	—	01.7
				17	0 (P)	—	—	12.5
7. Durga-Darya	Alibag	Raigad		1	1 (P)	—	—	24.5
				1	2 (P)	—	—	01.8
				1	3 (P)	—	—	03.5
				1	4 (P)	—	—	01.0
				7	1 (P)	—	—	02.0
				7	2 (P)	—	—	05.5
				6	0 (P)	—	—	38.0
				3	1 (P)	—	—	52.4
				3	2(P)	—	—	01.0
				4	0 (P)	—	—	06.8
8. Sambri	Alibag	Raigad		23	1 (P)	191	—	01.0
				24	3 (P)	115	—	14.9
				25	1 (P)	118	—	17.4
				25	2 (P)	114	—	03.5
				25	3 (P)	118	—	10.8
				25	4 (P)	119	—	03.2
				35	3 (P)	152	—	01.2
				35	6 (P)	151	—	13.4
				35	4 (P)	150	—	05.5
				35	7 (P)	149	—	02.2
				26	(P)	120	—	00.7
				32	2 (P)	146	—	30.0
				32	1A (P)	143	—	00.3
				32	1B (P)	145	—	12.9
				32	3 (P)	145	—	03.2
				33	0(P)	147	—	00.7
				41	2A (P)	167	—	21.7
						168		
				42	1 (P)	177	—	17.8
				44	1 (P)	183	—	22.7
				44	4 (P)	184	—	11.3
				47	2 (P)	195	—	15.6
				47	3 (P)	197	—	14.9
				47	5 (P)	197	—	09.6
				46	3 (P)	194	—	05.8
9. Navkhar—Tarf Shrigaon	Alibag	Raigad		19	2 (P)	113	—	25.0
				18	1 (P)	119	—	19.0
						120		
				17	1 (P)	121	—	12.0
				17	2 (P)	126	—	11.0
				17	5 (P)	123	—	24.0

1	2	3	4	5	6	7	8	9
				40	1 (P)	74	—	01.0
				39	1 (P)	75	—	17.0
				39	2 (P)	73	—	21.0
						42		
				39	4 (P)	71	—	10.0
				38	1 (P)	70	—	15.0
				36	3 (P)	67	—	07.5
				36	1 (P)	68		
				37	1 (P)	42		
				37	2 (P)	174	—	0.5
				38	5 (P)	41	—	04.0
				37	4 (P)	45	—	11.0
						46		
				44	3 (P)	42	—	04.0
10. Simadevi		Alibag	Raigad	11	6 (P)	—	—	03.2
				10	2 (P)	—	—	06.8
				10	3 (P)	—	—	04.3
				10	4 (P)	—	—	07.8
				10	5 (P)	—	—	00.2
				12	1 (P)	—	—	05.5
				12	2 (P)	—	—	11.3
				16	2 (P)	—	—	09.0
11. Phansapur		Alibag	Raigad	9	2 (P)	41	—	14.0
				9	4 (P)	38	—	16.0
				8	2 (P)	41	—	14.0
				8	3 (P)	36		16.00
				8	4 (P)	37	—	14.5
				7	2A (P)	35	—	13.0
				7	2B (P)	30	—	01.0
				7	4 (P)	29	—	15.0
				6	7 (P)	28	—	02.5
				31	2 (P)	111	—	04.0
				32	1 (P)	115	—	19.0
						112		
				32	2 (P)	114	—	01.0
				32	3 (P)	116	—	14.0
				32	4 (P)	117		09.0
				32	5 (P)	188	—	02.0
						118		
				33	1 (P)	121	—	23.5
				33	3 (P)	123	—	03.5
				39	2 (P)	121	—	08.0
				39	5 (P)	139	—	14.0
				35	1 (P)	133	—	12.5
				38	2 (P)	138	—	14.0
				38	4 (P)	137	—	29.0
				40	1 (P)	146	—	10.0
				40	2 (P)	146	—	08.0
				40	3 (P)	151	—	01.5
12. Kurdus		Alibag	Raigad	24A	2 (P)	107	—	00.7
				24C	(P)	108	—	00.3
				24D	4 (P)	—	—	09.8
				27	0 (P)	104	—	23.5
				26	1 (P)	113	—	02.3
				26	2 (P)	112	—	11.3
				26	3 (P)	111	—	00.3

1	2	3	4	5	6	7	8	9
13 Khar-Kopari	Alibag	Raigad	1	1 (P)	4	—	—	04.5
			1	2 (P)	3	—	—	02.7
			1	3 (P)	2	—	—	14.9
			1	5 (P)	2	—	—	23.7
			3	1 (P)	9	—	—	01.5
			4	2 (P)	10	—	—	12.6
			4	1 (P)	11	—	—	12.3
			5	1A (P)	18	—	—	12.3
			6	1 (P)	19	—	—	22.6
			6	2 (P)	9	—	—	02.0
			8	1 (P)	21	—	—	16.9
			8	2 (P)	33	—	—	11.6
			8	3 (P)	25	—	—	24.4
			8	5 (P)	14	—	—	03.7
			11	1 (P)	42	—	—	24.2
			11	2B (P)	3	—	—	03.0
			11	2C (P)	41	—	—	09.8
			12	2 (P)	45	—	—	23.2
			12	4 (P)	44	—	—	06.8
			12	5 (P)	45	—	—	03.2
			13	2A (P)	46	}	}	16.9
			13	2B/1 (P)	47			
			13	2B/2 (P)	47			
			14	5 (P)	54	—	—	05.5
			26	3 & (P)	103	—	—	10.8
				3B				
			24	1A (P)	101	—	—	02.0
					102			
			24	1B(P)	103	—	—	13.6
			24	2 (P)	101	—	—	25.0
			24	4A (P)	88	}	}	08.8
			24	4B (P)	98			
			22	2A (P)	85			
			22	2B (P)	85	}	}	02.5
			22	3 (P)	100			
			23	2 (P)	89			
			23	3 (P)	90	—	—	25.0
			23	4 (P)	88	—	—	00.7
14 Chikhali	Alibag	Raigad	32	1 (P)	107	—	—	01.0
			32	2A(P)	109	—	—	14.9
			32	3 (P)	102	—	—	16.9
			32	2B (P)	103	—	—	17.6
			32	4 (P)	108	—	—	04.3
			15	A/1 (P)	53	—	—	15.6
			15	A/3 (P)	51	—	—	06.0
			17	3 (P)	59	—	—	02.5
			31	4 (P)	101	—	—	06.8
			18	1 + 2B(P)	60	—	—	08.8
			18	1 + 2C(P)	52	—	—	10.0
			11	(2)(P)	30,31	—	—	30.0
			7	1(1)(P)	23,25	—	—	09.6
			7	1(2)(P)	24	—	—	09.8
			7A to	(P)	23,24,	—	—	15.0
			7 B		25	—	—	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
14 Chikhali		Alibag	Raigad	7	2 (P)	19	—	09.8
				6	1A (P)	17	—	16.6
				6	4 (P)	16	—	18.4
15 Wagvira		Alibag	Raigad	1	1 (P)	3	—	02.5
				1	3 (P)	2	—	05.5
				1	5 (P)	8	—	04.8
				2	1 (P)	4	—	20.4
				2	5 (P)	16	—	05.5
				3	1 (P)	15,21	—	01.7
				3	2 (P)	17, 19	—	31.0
				3	3 (P)	20	—	17.0
				5	2 (P)	26	—	0.2
				5	3 (P)	31	—	11.8
				5	1A + 4(P)	28	—	12.3
						28		12.3
					D			
				5	1B (P)	30	—	26.0
				6	1B (P)	32	—	17.9
				6	2 (P)	33	—	01.7
				6	3 (P)	32	—	08.8
				19	4 (P)	79	—	07.8
				20	1 (P)	85	—	09.8
				20	5A(P)	82	—	19.9
				20	2 (P)	81	—	03.0
				20	3 (P)	83	—	06.0
16 Pitkiri		Alibag	Raigad	71	0 (P)		—	34.4
				70	1 (P)	298	—	0.2
				68	5 (P)		—	13.1
				66	1 (P)	277	—	07.3
				66	3 (P)	275,	—	12.6
						276		
				66	2 (P)	274	—	24.0
				64	1A (P)	—	—	10.3
				64	2A/1(P)	—	—	05.3
				64	1B (P)	—	—	20.2
				64	3A(P)	—	—	02.7
				64	2A/2(P)	—	—	08.3
				64	2B (P)	—	—	17.7
				61	4 (P)	—	—	02.7
				61	5 (P)	—	—	19.4
				62	1B (P)	—	—	0.7
				61	1C (P)	—	—	01.0
				62	2(P)	—	—	05.0
				62	3 (P)	—	—	14.6
				63	0 (P)	—	—	02.7
17. Kusumbale		Alibag	Raigad	134 57	1D (P)	—	—	0.25
				135 58	(P)	—	—	65.0
				136 59	4 (P)	—	—	02.0
				139 63	5 (P)	—	—	02.0
				139 63	1 (P)	—	—	13.4
				139 63	2 (P)	—	—	27.8
				142 68	3 (P)	—	—	09.0
				142 68	4 (P)	—	—	06.5
				142 68	1 (P)	—	—	17.0

1	2	3	4	5	6	7	8	9
17. Kusumbale	Alibag	Raigad	143	69	7 (P)	—	—	08.8
			143	69	8A, 8B (P)	—	—	11.0
			143	69	3 (P)	—	—	15.6
			143	69	4 (P)	—	—	01.7
18. Khatvira	Alibag	Raigad	16		7 (P)	—	—	15.6
			16		6 (P)	64, 70	—	06.0
			16		8 (P)	66	—	01.5
			16		9 (P)	65	—	01.2
			13		1 (P)	51	—	01.0
			13		2 (P)	52	—	18.0
			13		7 (P)	50	—	08.0
			13		8 (P)	49	—	02.0
			13		9 (P)	48	—	15.4
			11		1 (P)	37	—	07.8
			11		2 (P)	47	—	10.0
			11		5 (P)	38	—	06.0
			10		1 (P)	35, 36	—	07.3
			8		2A/1 (P)	39	—	01.2
			8		2A (P)	39	—	20.0
			8		2B (P)	30	—	12.9
			6		1 (P)	24	—	11.3
			6		2 (P)	21	—	16.9
			6		3 (P)	17, 18, 19	—	36.0
			4		0 (P)	13, 14	—	19.9
19. Kalawad	Alibag	Raigad	1		2+3+4	3	—	07.3
					8 (P)			
			1		5 (P)	13, 18, 14	—	11.8
			57		1 (P)	1	—	07.5
			57		2 (P)	262	—	04.0
			57		3/1 (P)	272	—	08.0
			57		3/2 (P)	261	—	16.4
			57		5A (P)	257	—	14.4
			57		5/2 (P)	255	—	12.6
			57		4+6+7	254	—	09.0
					2 (P)			
			58		2 (P)	251	—	01.2
			56		1 (P)	256	—	00.5
			43		6A (P)	191	—	07.0
			43		6B (P)	192	—	23.7
			41		1 (P)	190	—	02.2
			44		1 (P)	193	—	18.4
			44		2 (P)	194	—	23.0
			44		4 (P)	198	—	09.3
			44		5 (P)	196	—	02.5
			39		0 (P)	163, 164, 166, 167	—	08.0
20. Shrigaon (Part I)	Alibag	Raigad	5		0 (P)	17	—	07.3
			4		0 (P)	18, 14, 19	—	19.7
			14 A		1 (P)	49	—	08.6
			14 A		2 (P)	50	—	23.2
			14 A		3 (P)	51	—	01.5
			15		0 (P)	52	—	02.0

1	2	3	4	5	6	7	8	9
20. Shrigaon (Part II)		Alibag	Raigad	34	0 (P)	139, 140, 150, 137	—	40.4
				35	3 (P)	2	—	01.0
				34	4 (P)	150	—	14.1
				35	5 (P)	151	—	11.8
				36	0 (P)	155	—	14.1
				38	1 (P)	—	—	06.8
				37	1 (P)	156	—	19.2
				37	2 (P)	159, 160, 107	—	35.4
				45	0 (P)	194	—	34.3
				44	3 (P)	190	—	13.1
				43	3B (P)	—	—	01.2
				43	1A + 3C(P)	187	—	04.3
				43	2 (P)	188	—	32.6
				43	4 (P)	189	—	09.3
				43	1 (P)	196	—	07.5
				47	2 (P)	197	—	00.5
				47	3 (P)	198	—	18.7
				47	5 (P)	112	—	15.9
				49	1 (P)	207	—	16.4
				49	2 (P)	207	—	03.5
21. Poynad		Alibag	Raigad	180	0 (P)		1	05.2
				85	1 (P)			02.2
				66	1 (P)			26.8
				66	2 (P)			15.4
				64	0 (P)			08.5
				67	1 (P)			32.6
				67	2 (P)			04.0
				68	(P)			59.6
				69	(P)			10.1
				70	4 (P)			00.7
22. Ambepur		Alibag	Raigad	19	1 (P)		1	16.6
				17	0 (P)			01.0
				57	1 (P)			03.0
				57	4 (P)			16.6
				57	6 (P)			15.1
				69B	(P)			12.4
				69A	(P)			15.1
				68	1 (P)			06.3
				68	2 (P)			03.7
				68	4 (P)			00.2
				68	5 (P)			00.5
				65A	(P)			03.0
23. Pezari		Alibag	Raigad	79	1 (P)			16.1
				79	2 (P)			24.7
				79	3 (P)			1.7
				79	4/1 (P)			15.1
				79	4(2) (P)			7.8
				80	5(2)(P)			18.8
				84	1 (P)			24.0
				84	2 (P)			03.5
				84	3 (P)			15.1
				84	4 (P)			10.3

1	2	3	4	5	6	7	8	9
				86	1 (P)			19.2
				1	1 (P)			20.4
				2	2 (P)			08.0
				2	1 (P)			04.5
				2	3 (P)			29.0
				3	1 (P)			25.8
				3	2 (P)			14.1
				6	2 (P)			01.0
				5	1 (P)			22.0
				5	3 (P)			00.7
				5	4 (P)			17.4
				5	5 (P)			01.2
				5	8 (P)			01.2
				8	1 (P)			15.6
				8	2 (P)			7.8
				8	3 (E)			7.5
				9	6 (P)			1.2
				9	7 (P)			15.9
				9	8 (P)			3.2
				11	0 (P)			6.0
24	Navkhar Ra Rayande	Alibag	Raigad	8	(P)			06.0
				9	1A (P)			11.3
				9	1B (P)			11.0
				9	3 (P)			25.0
				10	2 (P)			24.0
				10	3 (P)			04.0
				4	4 (E)			06.3
				4	2 (P)			04.8
				4	3 (P)			18.9
				5	1 (P)			29.0
				5	3A (P)			
				5	3B (P)			01.7
25	Gaokhar	Alibag	Raigad	6	1 (P)			
				6	2 (P)			07.3
				7	1 (P)			07.3
								05.0
				7	2 (P)			
				8	1A (P)			17.7
				8	1B (P)			
				8 Pt	(P)			06.8
				8	4A (P)			12.9
				8	4B (E)			
				8	6A (P)			01.0
				8	6B (B)			
				8 Pt.	(P) \			08.3
				8	5 (P)			08.8

1	2	3	4	5	6	7	8	9
26	Chari	Alibag	Raigad	12	1 (P)			07.5
				12	3 (P)			16.0
				12	6 (P)			06.8
				13	5 (P)			08.6
				13	6 (P)			02.0
				10	1/1 (P)			01.0
				10	1/2 (P)			
				10	2 (P)			02.2
				14	6 (P)			00.5
				9	1 (P)			0.0
				9	2 (P)			08.0
				9	3 (P)			16.6
				7	1 (P)			09.6
				7	3 (P)			04.0
				7	4 (P)			06.0
				7	5 (P)			02.0
				7	6 (P)			04.5
				7	7A (P)	}		07.3
				7	7B (P)			
				7	8 (P)			01.5
				7	911 (P)	}		03.0
				7	912 (P)			
				7	10 (P)			09.0
				42	3 (P)			09.0
				47	2 (P)			23.0
				48	1A+3 (P)			16.0
				48	2 (P)			05.0
27	Khar--Kopar	Alibag	Raigad	40	(P)			14.0
				37	(P)			02
				36	1 (Pt)			46
				35	4 (P)			00.5
				35	3(3) (P)			16.6
				8	2 (P)			10.8
				8	5A/1 (P)	}		14.6
				8	5A/2 (P)			
				8	5A/3 (P)			
				8	5A/4 (P)			
				9	2B+3(P)			19.9
					3 (P)			
				9	2B+3 (P)			5.8
					2 (P)			
				9	1+2 (P)			6.5
					A			

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 26 जून, 1987

का आ 1807—केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाखण्ड धनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अधिप्राप्त किये जाने की संभावना है,

अन., केंद्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है,

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक म. बी. सी. सी. गल/ई. पी/86/61 तारीख 2 सितम्बर, 1986 का निरीक्षण उपायुक्त, धनबाद (बिहार) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1—काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या निदेशक (तकनीकी) परियोजना भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, कोयला भवन, डाकघर कोयला नगर, जिला धनबाद (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निविष्ट सभी तथ्यों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) नियम, 1957 के नियम 5 द्वारा यथा प्रपेक्षित इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से मध्ये दिन के भीतर, निदेशक (तकनीकी) परियोजनाओं, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, धनबाद को भेजेंगे।

धनुसूची

कुमारी बिजुत खान परियोजना

(सरिया कोयला क्षेत्र)]

खण्ड अधिकार

पूर्वेक्षण के लिये अधिसूचित भूमि

क्र.सं.	ग्राम	थाना सं.	थाना	जिला	क्षेत्र एकड़ में	टिप्पणियाँ
1.	राजगंज	198	तोपचांची	धनबाद	194.43	भाग
2.	अधापिता	199	"	"	112.00	"
3.	बागदाहा	217	"	"	743.97	"
4.	पांचरौ	220	"	"	138.88	"
5.	संवदाहा	200	"	"	270.81	सम्पूर्ण
6.	बलेतानर	201	"	"	116.63	भाग
7.	मछुजौरा	214	"	"	213.27	सम्पूर्ण
8.	इमडली	215	"	"	376.95	सम्पूर्ण
9.	मोनदाहा	216	"	"	332.31	"
10.	भुइया पहाणपुर	223	"	"	337.27	"
11.	गोविन्दाडीह	221	"	"	570.39	"
12.	पटमाहा	222	"	"	130.92	भाग
13.	तालचक	207	"	"	57.53	भाग
14.	तिलातानर	213	"	"	729.10	सम्पूर्ण
15.	गंजुबा	231	"	"	510.87	"
16.	फटमहु	212	"	"	384.89	"
17.	गरगोरिया	211	"	"	59.52	"
18.	जमुनियासंव	210	"	"	161.69	भाग
19.	नागरीकला	230	"	"	1180.46	"
20.	माहवीडीह	229	"	"	289.86	"
21.	धोआकला	228	"	"	1061.42	"
22.	राशगंज	226	"	"	158.92	"
23.	बांसमूरी	224	"	"	312.47	सम्पूर्ण
24.	धरजोरी	225	"	"	267.83	भाग
25.	खंगौरा	209	"	"	176.57	"
26.	छोटागंगी	232	तोपचांची	धनबाद	192.44	सम्पूर्ण
27.	भूलनभगा	233	"	"	28.16	भाग

क्र.सं.	ग्राम	बाना सं.	थाना	जिला	क्षेत्र एकड़ में	टिप्पणियाँ
28.	रिबहारपुर	234	"	"	141.34	सम्पूर्ण
29.	नरसिंहगपुर	235	"	"	5.12	भाग
30.	गाराचक	236	"	"	40.96	सम्पूर्ण
31.	झरखोर	237	"	"	155.64	भाग
32.	झिगिपहाड़ी	238	"	"	10.24	भाग
33.	उदयपुर	84	गोविंदपुर	धनबाद	128.96	भाग
34.	छोटपिछरी	85	"	"	71.42	भाग
35.	उदलबाकी	208	तोपबाँधी	"	166.40	भाग
		कुल क्षेत्र:		10134.33 एकड़ (लगभग)		
		या		4102.96 हेक्टर (लगभग)		

कुमारी बिन्दु खान परियोजना का सीमा वर्णन

क—ख रेखा, छवाचिता और राजगंगे ग्रामों से गुजरकर बिन्दु "ख" से मिलती है।

ख—ग रेखा, बागदाल, पंचरुखी और उदयपुर ग्रामों से गुजरकर बिन्दु "ग" से मिलती है।

ग—घ रेखा, उदयपुर, छोटपिछरी, पनमाल, घरपोरी और हगुनी ग्रामों में से होकर जाती है और फिर बाबाकला की पूर्वी सीमा के साथ-साथ चलकर बिन्दु "घ" से मिलती है।

घ—ङ रेखा, बाबाकला से गुजरकर बिन्दु "ङ" से मिलती है।

ङ—च रेखा, बाबाकला, माहलधीह, बानरीकला और चंदौर ग्रामों से गुजरकर बिन्दु "च" से मिलती है।

च—छ रेखा, चंदौर, भुईयाभग्न, नरसिंहपुर, झिगिपहाड़ी और झरखोर ग्रामों से गुजरकर बिन्दु "छ" से मिलती है।

छ—ज रेखा, उदलबाकी, घाम से होकर बिन्दु "ज" से मिलती है।

ज—झ रेखा, पश्चिमी सीमा के साथ साथ चलती हुई खमारगोरा ग्राम में से होकर बिन्दु "झ" से मिलती है।

झ—ञ रेखा, खमारगोरा और अनुनिया ग्रामों से गुजरकर बिन्दु "ञ" से मिलती है।

ञ—ट रेखा, उदलबाकी, लालचक, बनेतावर और छवाचिता ग्रामों से गुजरकर बिन्दु "ट" से मिलती है।

ट—ठ रेखा, छवाचिता ग्राम से गुजरकर बिन्दु "ठ" से मिलती है।

ठ—क रेखा, छवाचिता ग्राम से गुजरकर बिन्दु "क" से मिलती है।

[सं. 43016/17/86-सी ए.]

समय सिंह, प्रवर सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 26th June, 1987

S.O. 1807:—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed:

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The Plan No. BCCL/ED/86 61 dated the 2nd September, 1986 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Dhanbad (Bihar) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the Office of Director (Technical) Projects, Bharat Coking Coal Limited, Koyala Bhavan, Post Office Koyala Nagar, District Dhanbad (Bihar).

Any person interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Director (Technical) Projects, Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad within ninety days section (7) of section 13 of the said Act to the Director Technical Projects, Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad within ninety days from the date of the publication of the notification in the Gazette of India as required by rule 5 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Rules, 1957.

SCHEDULE
Kumari Open Cast Project
(Jharia Coalfield)

Mining rights		Showing land to be notified for prospecting			
S. No.	Village	Thana No.	Thana	District	Area in acres) Remarks
1.	Rajgange	198	Topchanchi	Dhanbad	194.43 Part
2.	Dhawachita	199	Topchanchi	Dhanbad	112.00 Part
3.	Bagdaha	217	Topchanchi	Dhanbad	745.97 Part
4.	Panchrui	220	Topchanchi	Dhanbad	138.88 Part
5.	Saldaha	200	Topchanchi	Dhanbad	270.81 Full
6.	Balaitanr	201	Topchanchi	Dhanbad	416.63 Part
7.	Madhujora	214	Topchanchi	Dhanbad	213.27 Full
8.	Daldah	215	Topchanchi	Dhanbad	276.95 Full
9.	Sondaha	216	Topchanchi	Dhanbad	332.31 Full
10.	Bhuiyan Paharpur	223	Topchanchi	Dhanbad	337.27 Full
11.	Govindadih	221	Topchanchi	Dhanbad	570.39 Full
12.	Patmaha	222	Topchanchi	Dhanbad	133.92 Part
13.	Lalchak	207	Topchanchi	Dhanbad	57.53 Part
14.	Tilatanr	213	Topchanchi	Dhanbad	729.10 Full
15.	Ganduba	231	Topchanchi	Dhanbad	510.87 Full
16.	Phatma hu	212	Topchanchi	Dhanbad	384.89 Full
17.	Gargoria	211	Topchanchi	Dhanbad	59.52 Full
18.	Jamuniataud	210	Topchanchi	Dhanbad	161.63 Part
19.	Nagrikalan	230	Topchanchi	Dhanbad	1180.46 Part
20.	Mahlidih	229	Topchanchi	Dhanbad	282.66 Part
21.	Bawakalan	228	Topchanchi	Dhanbad	1061.42 Part
22.	Rajganga	226	Topchanchi	Dhanbad	158.92 Part
23.	Bansmuri	224	Topchanchi	Dhanbad	312.47 Full
24.	Dharjori	225	Topchanchi	Dhanbad	267.83 Part
25.	Khangora	209	Topchanchi	Dhanbad	176.57 Part
26.	Chhoti Nagri	232	Topchanchi	Dhanbad	192.44 Full
27.	Bhulanbhanga	233	Topchanchi	Dhanbad	28.16 Part
28.	Sidharpur	234	Topchanchi	Dhanbad	141.34 Full
29.	Narsingpur	235	Topchanchi	Dhanbad	5.12 Part
30.	Garachak	236	Topchanchi	Dhanbad	40.96 Full
31.	Jharkhor	337	Topchanchi	Dhanbad	1155.64 Part
32.	Jhingipahari	238	Topchanchi	Dhanbad	10.24 Part
23.	Udaypur	84	Govindpur	Dhanbad	12.96 Part
34.	Chatpichhari	85	Govindpur	Dhanbad	71.42 Part
35.	Udalbani	208	Topchanchi	Dhanbad	166.40 Part

Total Area: 10134.33 acre (Approximately)

or 4102.96 hectares.

Line

BOUNDARY DESCRIPTION OF KUMARI OPEN CAST PROJECT

- A-B Line passes through the villages Dhawachita and Rajgange and meets at point "B".
- B-C Line passes through the villages Rajdaha, Panchrukhi and Udaypur and meets at point "C".
- C-D Line passes through the villages Udaypur, Chotpichhari, Patmaha, Dharjori and Rangunt and along the Eastern boundary of Bawakalan and meets at point "D".
- D-E Line passes through the village Bawakalan and meets at point "E".
- E-F Line passes through the villages Bawakalan, Mahlidih, Nagrikalan and Chandour and meets point "F".
- F-G Line passes through the villages Chandour, Bhulanbhanga, Narsingpur, Jhingipahari and Jharkhor and meets at point "G".
- G-H Line passes through the village Khamargora and meets at point "H".
- H-I Line passes along the Western boundary and through the village Khamargora and meets at point "I".
- I-J Line passes through the village Khamargora and Jamunia and meets at point "J".
- J-K Line passes through the villages Udalbani, Lalchak, Balaitanr and Dhawachita and meets at point "K".
- K-L Line passes through the village Dhawachita and meets at point "L".
- L-A Line passes through the village Dhawachita and meets at point "A".

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 15 जून, 1987

का. घा. 1808—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) का धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के उपबंध के अनुसरण में डा. गिरिजा धर का इस अधिसूचना के जारी किए जाने का तारीख से कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद का सदस्य निर्वाचित किया गया है।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में भारत सरकार के श्रुतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. घा. 138 स 5-12-59 एम आई तारीख 9 जनवरी 1960 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में "धारा 1 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अर्थाने निर्वाचित" शीर्षक के नीचे क्रम संख्या 51 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी अर्थात्—

"51. डा. गिरिजा धर, डीन,
चिकित्सा महाविद्यालय और प्रधानाचार्य,
राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय,
श्रीनगर"

[संख्या की 11013/15/87-एम. ई. (पी.)]

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 15th June, 1987

S.O. 1808—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. Girija Dhar has been elected by the University of Kashmir to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of this notification.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Govt. of India in the late Ministry of Health, No. S.O. 138 (No. 5-13/59-MI), dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading "Nominated under clause (b) of sub-section (1) of section 3" for serial number 51 and the entries relating thereto the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

"51 Dr. Girija Dhar,
Dean, Faculty of Medicine &
Principal, Govt. Medical College,
Srinagar"

[No. V-11013/15/87-ME(P)]

नई दिल्ली, 19 जून, 1987

प्रदेश

का. घा. 1809—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना नं. एफ. 16-33/62 एम आई तारीख 1-3-63 द्वारा निम्न दिया है कि "बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी जो सका विश्वविद्यालय चिकित्सा अद्वैता भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनार्थ मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतों होंगी।

और 1 डा. मुम्बिका पति, 2 डा. गुजराव, 3 डा. गोपी रेवी,
4 डा. विस्तारणि, 5 डा. गायत्री रमेश, 6 डा. रमैया नायक,
7 डा. मुकुन्दामी, मुकुन्दमण्डन धबोरराज, जो उक्त अद्वैता रखने हैं,
तत्समय पूर्व कार्य के प्रयोजनार्थ राज्य आयुर्विज्ञान परिषद से संबद्ध हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) क पञ्चम के अड (ग) के अनुसरण में—

(i) दो वर्ष की अवधि, या

(ii) वह अवधि, जिसके दौरान पूर्वोक्त डाक्टर उक्त राज्य आयुर्विज्ञान परिषद, तमिलनाडु में सम्मिलित रहते हैं,

इनमें से जो भी लघुतर हो, उस अवधि के रूप में, जिस तक पूर्वोक्त डाक्टर द्वारा चिकित्सा व्यवसाय सीमित होगा, निर्दिष्ट करती है।

[स की -11016/11/86-एमई(पी)]

New Delhi, the 19th June, 1987

ORDER

S.O. 1809.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Health No. F 16-33/62-MI dated the 31-1-1963, the Central Government has directed that the medical qualification, "M.B.B.S.", Ceylone University shall be recognised medical qualification for the purpose of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956).

And whereas Drs. 1. Dr. Anbilapathy, 2. Dr. Elias, 3. Dr. Gowri Devi, 4. Dr. Sinthamany, 5. Dr. Gomathy Ramaih, 6. Dr. Pangeethanayakey, 7. Dr. Muthusamy Subramanian Thamburaj who possess the said qualification are for the time being attached to the State Medical Council, Tamil Nadu for the purposes of charitable work

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies:—

(i) A period two years or;

(ii) the period during which the aforesaid doctors are attached to the said State Medical Council, Tamil Nadu whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctors shall be limited.

[No V 11016/11/86-ME(P)]

नई दिल्ली, 24 जून, 1987

का. घा. 1810—केन्द्रीय सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद में परामर्श करने के पञ्चानु, उक्त अधिनियम की पट्टी अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अनुसूची में कर्ण विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों के पञ्चानु, निम्नलिखित प्रविष्टियाँ अन्तर्भावित की जाएंगी, अर्थात्—

गोर्डी जो विश्वविद्यालय, काट्टयम, बैचलर

आफ रेडिसिन एण्ड बैचलर आफ सर्जरी

एम.बी.बी.एस.

नाटः—उपरोक्त अद्वैता यदि गोर्डी जो विश्वविद्यालय द्वारा मैडिकल कॉलेज, काट्टयम में प्रशिक्षित छात्रों की अनुमति की गई है तो मान्यता प्राप्त चिकित्सा अद्वैता होंगी।

[स की 11015/6/87-एम.ई. (पी.)]

राज्य स्वास्थ्य विभाग, अवर सचिव, (एम. ई.)

New Delhi, the 24th June, 1987

S.O. 1810.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely:—

In the said Schedule after the entries relating the University of Kerala the following entries shall be inserted namely —

Gandhiji University Kettavam

Bachelor of Medicine and
Bachelor of Surgery

M B B S

Note The above qualification shall be recognised medical qualification when granted by Gandhiji University the students trained at Medical College Kottayam

[No V-1101516]87 ME(P)]

R SRINIVASAN, Under Secy

नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली 29 जून 1987

हा भा 1811--यामु निगम अधिनियम 1953 (1953 का 27) के खंड 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करने हेतु केन्द्रीय सरकार एयर इंडिया और इंडियन एयरलाइन्स के निदेशक-मण्डल का कार्यकाल 30 जून 1988 तक एक वर्ष तक बढ़ाती है जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे —

एयर इंडिया

- 1 श्री रतन टाटा
अध्यक्ष
- 2 श्री सदानन्द शेन्टी
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक
विजया बैंक
- 3 डा धर्मा सिन्हा
प्रिंसिपल एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कालेज
हैदराबाद
- 4 श्री विवेक भारतराम
- 5 श्री अरुण नन्दा
मेरीकयूजन बम्बई
- 6 श्री बी पट्टनायक
सचिव, सचिव,
नागर विमानन मंत्रालय
- 7 प्रबन्ध निदेशक, एयर इंडिया
- 8 वाणिज्यिक निदेशक
एयर इंडिया
- 9 अध्यक्ष भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानन प्राधिकरण
- 10 प्रबन्ध निदेशक
इंडियन एयरलाइन्स
इंडियन एयरलाइन्स
- 1 श्री राहुल बजाज
अध्यक्ष
- 2 श्री रमेश मदी
अध्यक्ष
राष्ट्र आयन एण्ड स्टेशन कम्पन
- 3 डा प्रताप रेड्डी
अध्यक्ष अपाला अस्पताल
- 4 श्री बाई सी दिवेश्वर
अध्यक्ष जैलकम ग्रुप

- 5 डा फासिम मिर्ज़ेस
निदेशक टाटा प्रबन्ध प्रशिक्षण संस्थान
- 6 श्री पी सी मेन
सचिव सचिव
नगर विमानन मंत्रालय
- 7 श्रीमता रीतु नन्दा
(एक महिला उद्योगी)
- 8 प्रबन्ध निदेशक,
इंडियन एयरलाइन्स
- 9 अध्यक्ष राष्ट्रीय विमानन प्राधिकरण ।
- 10 प्रबन्ध निदेशक
एयर इंडिया
- 11 पब्लिक सहायिनिदेशक
- 12 डा जेड जी रंगुनबाभा

[का स एसी-18013/7/86 ए ए]

अरि एन भार्गव, सचिव

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

New Delhi the 29th June, 1987

S.O. 1811 -In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Air Corporations Act 1953 (27 of 1953) the Central Government hereby extends the term of the Board of Directors of Air India and Indian Airlines for a further period of one year till 30th June, 1988 with the following members

- Air India
- 1 Shri Ratan Tata,
Chairman
 - 2 Shri Sadanand Shetty
CMD, Vijaya Bank,
 - 3 Dr Dharmu Sinha,
Principal,
Administrative Staff
College, Hyderabad
 - 4 Shri Vivek Bharatram
 - 5 Shri Arun Nanda,
(Rediffusion, Bombay)
 - 6 Shri V. Pattanayak,
Joint Secretary,
Ministry of Civil Aviation.
 - 7 Managing Director,
Air India
 - 8 Commercial Director,
Air India
 - 9 Chairman,
International Airport Authority of
India
 - 10 Managing Director
Indian Airlines
 - 1 Shri Rahul Baja
Chairman,

Indian Airlines

2. Shri Russ Modi,
Chairman, TISCO.
3. Dr. Pratap Reddy,
Chairman,
Apolo Hospital.
4. Shri Y.C. Deveshwar,
Chairman, Welcome Group.
5. Dr. Francis Menezes,
Director,
Tata Institute of Management Training.
6. Shri P.C. Sen,
Joint Secretary,
Min. of Civil Aviation.
7. Smt. Ritu Nanda
(A women entrepreneur).
8. Managing Director,
Indian Airlines.
9. Chairman,
National Airports Authority.
10. Managing Director,
Air-India.
11. Director General,
Tourism.
12. Shri Z.G. Rangoonwala.

[F.No.AV.18013/2/86-AA]
R.N. BHARGAVA, Under Secy.

अन्य संज्ञासूचक

नई दिल्ली, 26 जून, 1987

क. सं. 1812.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, प्रारिपेटल फायर इन्सुरन्स एम्प्लोयर्स एसोसिएशन लि. के प्रबंधकों से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच प्रमुख में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिनियम मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18 जून, 1987 को प्राप्त हुआ था।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 26th June, 1987

S.O. 1812.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Madras as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Oriental Fire & General Insurance Co. and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th June, 1987.

BEFORE THIRU FYZEE MAHMOOD, B. Sc., B.L.,
PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL,
TAMILNADU, MADRAS

(Constituted by the Central Government)

(Tuesday, the 2nd day of June, 1987)

Industrial Dispute No 52 of 1985

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947 between the workmen and the Management of The Oriental Fire & General Insurance Co., Ltd. Madras-1)

BETWEEN

The workmen represented by
The General Secretary,

The Oriental Fire & General Insurance,
Employees Association, UIL Building, IV Floor,
8, Esplanade, Madras-600001.

AND

The Regional Manager,
The Oriental Fire & General Insurance Co., Ltd.,
UIL Building, IV Floor, 8, Esplanade,
Madras-600001.

REFERENCE :

Order No. I-17012/45/84-D IV(A), dated 2-7-1985 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal in the presence of Thiruvalluvar Row and Reddy and V. Prakash, Advocate for the workmen and of Thiru A. R. Ramanathan, Advocate for the Management upon perusing the reference, claim and counter statements and other connected papers on record and the parties having filed a joint memo and recording the same, this Tribunal passed the following

AWARD

This dispute between the workmen and the Management of The Oriental Fire and General Insurance, Company Limited Madras-1 arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. I-17012/45/84-D IV(A), dated 2-7-1985 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :—

"Whether the action of the management of Oriental Fire & General Insurance Co. Ltd., Madras in terminating the services of S/Sh Selvaraj and Suresh, sub-staff is justified? If not, to what relief are the workman concerned entitled?"

2 Parties were served with summons.

3 The Petitioner-Union filed its claim statement on 16.5.1986 putting forth the claim of the workmen. In repudiation thereof, the Management filed their counter statement on 12-9-1986

4. After several adjournments, when the dispute was taken up for enquiry a joint memo was filed by the parties praying to pass an award in terms of joint memo. It is recorded.

5. Hence an award is passed in terms of the memo filed, No costs.

Date, this 9th day of June, 1987

(Sd)

FYZEE MAHMOOD, Industrial Tribunal

ANNEXURE

BEFORE THE HON'BLE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT
MADRAS

(Central Government Tribunal)

I.D. No. 52 of 1985

The workmen of Oriental Fire and General Insurance Employees Association (now, known as GC Employees Union-S. Zone),
Madras-1.

...Petitioner.

Vs

Management of Oriental Fire and General Insurance Co. Ltd.,
Madras-1 (now known as Oriental Insurance Co. Ltd., Respondent/Management.

JOINT MEMO OF COMPROMISE FILED BY THE PARTIES

1 It is agreed that the Management will give Regular appointment to M/s Selvaraj and Suresh in the Grade of sub-staff.

2. It is agreed that this appointment orders to them will be issued on or before 1st July 1987 to enable them to join duty.

3. It is agreed that the concerned workmen may apply for the question of backwages separately and the management will consider the same.

An award may be passed in the above terms.

Dated at Madras, this 9th day of June, 1987.

(Sd)-
A. R. Ramanathan,
Counsel for Management.
(Sd)-.....
For Management.

(Sd)-

Row and Reddy Counsel for Petitioner[Workmen.
(Sd).....
Secretary, Oriental Fire and
General Insurance Employees
Association (now known as
GIC Employees Union S. Zone)
Madras-1.

FYZEE MAHMOOD, Industrial Tribunal

[No. L-17012/45/84-D. IV (A)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 जून, 1987

का. प्रा. 1813.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 16 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ज. वेद प्रकाश, चिकित्सा आयुक्त, कर्मचारी राज्य बीमा निगम को अपने कार्यभार के प्रतिरिक्त 29 जून, 1987 के पूर्वाह्न से कर्मचारी राज्य बीमा निगम के कार्यवाहक महाप्रदेशक के रूप में उक्त पद के नियमित रूप में भरे जाने तक नियुक्त करती है।

[संख्या ए/12026/3/87 एस.एस. (1)]

New Delhi, the 29th June, 1987

S.O. 1813.—In pursuance of section 16 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government appoints Dr. Ved Prakash, Medical Commissioner, Employees' State Insurance Corporation as Acting Director General, Employees' State Insurance Corporation (ESIC), with effect from the forenoon of 29th June, 1987, in addition to his own charge, till a regular incumbent is posted.

[No. A/12026/3/87-SS-I]

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1987

का. प्रा. 1814.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापन से सम्बन्धित नियोजक और कर्मचारियों की बहु संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध सम्बन्धित स्थापन को लागू किये जाने चाहिए।

1. मैसर्स ईस्टर्न सेवर, नं. 91 भुरे स्ट्रीट, मद्रास-1
2. मैसर्स शंकर सैल्स एण्ड मरिंस, नं. 198, सिगही चेट्टी स्ट्रीट मद्रास-1
3. मैसर्स बिरगो ट्रांसपोर्ट, 56 रामास्वामी स्ट्रीट, मद्रास-1
4. मैसर्स वालपूम फैशन, 11 जी. पी. मुथाली स्ट्रीट, मद्रास-2
5. मैसर्स एमटीक कंसल्टैन्सी ग्रुप, जामी बिल्डिंग, 63 धार एच रोड, मलापुर, मद्रास-4
6. मैसर्स मयलापुर टेलीफोन एक्सचेंज टिफिन क्लब, 166 लुज चर्च रोड, मद्रास-4

529 GI/87—6

7. मैसर्स ओरिएण्टल इलेक्ट्रीकल कारपोरेशन, 42 रीयाडनरोड मद्रास-7
8. मैसर्स ग्लोबल सिगरेटो रेजेन्स नं. 21 एच अर्बि रोड, कियामाक, मद्रास-10
9. मैसर्स विजय कन्स्ट्रक्शन, 23 ओंपुरम प्रथम स्ट्रीट, मद्रास-14
10. मैसर्स नायडू इन्जिनियरिंग कारपोरेशन, 75बी रामास्वामी कोएल स्ट्रीट, मद्रास-19
11. मैसर्स डालक्स टूल, मोलडर्न, 24 सी. नैनन रोड, मद्रास-29
12. मैसर्स कन्सुलेट जवन्ल प्राफ जापान, 60 सुर टैक रोड, चेन्न-पुर, मद्रास-3
13. मैसर्स बारफोर इन्जिनियरिंग (प्राइवेट) लिमिटेड, बी-14, इन्डस्ट्रीयल स्ट्रीट, गुड्री, मद्रास-32
14. मैसर्स श्रीनारायण मिशन हायर सैकण्ड्री स्कूल, 54 ईश्वरन कोएल स्ट्रीट, वेस्ट मेम्बासाम, मद्रास-33
15. मैसर्स शंकर कन्स्ट्रक्शन, 4 पाचवी गली, गोपालपुरम, मद्रास-86
16. मैसर्स अरिया ग्रानवेल इन्डस्ट्री, 3-134ए 4 एचमे 5 सातूर रोड, शिवाकाशी
17. मैसर्स पराशक्ति फायरवर्क्स इन्डस्ट्रीज, 1ए अर्बनी नादर स्ट्रीट, शिवाकाशी-123
18. मैसर्स परफेक्ट ग्राइण्डर, 3-134 एच सातूर रोड, शिवाकाशी-113
19. मैसर्स उदय कुमार मार्टन राईस मिल, 315/1 पूवूर ह्वी रोड, निथिमिडु, सेलम-2
20. मैसर्स इन्जिनियरिंग कम्पलैन्ट्स एण्ड कस्टमर, वेलकम बिल्डिंग 69 पैरानूर मेन रोड, सेलम-7
21. मैसर्स लक्ष्मण लारी सर्विस, 251 रेवने फीडर रोड, सातूर-203
22. मैसर्स राजादुरई राहम मिल, 1/234 सशायामति (बाया सातूर)
23. मैसर्स श्री अर्बल काटेज इन्डस्ट्रीज 358/2 सेलम मेन रोड, कोना-थापालायाम-183 सेलम कस्बा
24. मैसर्स हंडलूम पैराडाइज, पोस्ट बॉक्स नं. 109 चिन्नाप्पावैक-नपालायाम, कोमारपालायाम-183
25. मैसर्स जैड ए-98, वाशामताम ए. एच. सी. एच. लिमिटेड, केनेरीराजापुरम पोस्ट नैनीलाम ताल्लुक, तमिलनाडु
26. मैसर्स जैड ए-112 कोराबेरी कोओरेटिव एग्रिकल्चरल बैंक लिमिटेड, कोरदावैरी-703
27. मैसर्स जैड ए 95 पाट्टुपूर एग्रिकल्चरल सर्विस को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, इरावनेवरो (एम ओ) 501
28. मैसर्स चेगम को-ऑपरेटिव मिल प्रोड्यूसर सोसाइटी लिमिटेड चेन्न ताल्लुक एम ए कस्बा

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त धारा नियम की धारा 1, की धारा 4 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापनों को लागू करती है।

[संख्या, एस-35019(17)/87-एस. एस. II]

ए. के. मट्टारई, अवर सचिव

New Delhi, the 1st July, 1987

S.O. 1814.—Whereas it appears to the Central Government that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments, namely,

1. M/s Eastern Leather Agency, No. 91, Moore Street, Madras-1.
2. M/s Shankar Sales and Service, No. 198 Linghi Chetty Street, Madras-1.
3. M/s Virgo Transport, 56, Ramasamy Street, Madras-1.
4. M/s Volume Fashions, 11, G. P. Mudali Street, Madras-2.
5. M/s Entech Consultancy Bureau, Jammi Buildings, 63, R. H. Road, Mylapore, Madras-4.
6. M/s Mylapore Telephone Exchange Tiffin Room, 166, Luz Church Road, Madras-4.
7. M/s Oreintal Electrical Corporation, 42 Rithardon Road, Madras-7.
8. M/s Globe Security Agency, No. 21, New Avadi Road, Kilpeuk, Madras-10.
9. M/s Vaigai Construction, 23, Stripuram First Street, Madras-14.
10. M/s Naidu Engineering Corporation, 73-B, Aparaswamy Koil Street, Madras-19.
11. M/s. Deluxe Tools and Moulders 24-C Nelson Road, Madras-29.
12. M/s Consulate General of Japan, 60 Spur Tank Road, Chetput, Madras-31.
13. M/s. Barfour Engineers (Private) Limited, B-4, Industrial Estate, Guindy, Madras-32.
14. M/s Sree Narayana Mission Higher Secondary School, 54, Eswaran Koil Street, West Mambalam Madras-33.
15. M/s Sankar Constructions, 4, 5th Street, Gopalapuram, Madras-86.
16. M/s. Ariva Grindell Industry, 3—134, A 4 and 5 Sattur oad, Sivakasi.
17. M/s Parasakthi Fire Works Industries, I-A Avani Nagar Street, Sivakasi-123.
18. M/s Perfect Grinders, 3—134-H, Sattur Road, Sivakasi-113.
19. M/s Udhayakmar Modern Rice Mill, 315/1 Pathur Itteri Road, Nethimedu, Salem-2.
20. M/s Engineering Consultants and Contractors, Welcome Building 69, Peramanur Main Road, Salem-7.
21. M/s. Lakshmanan Lorry Service, 251, Railway Feeder Road, Sattur-203.
22. M/s Rajadurai Rice Mill, 1/234, Sadayampatty (Via-Sattur)
23. M/s Sree Andal Cottage Industries, 358/2, Salem Main Road, Komarapalayam-183, Salem District.
24. M/s Handloom Paradise Post Box No. 109, Chinappanachenpalayam, Komarapalayam-183.
25. M/s ZA 98, Vadamatam A.S.C.S. Limited, Konerirajapuram, Post Nannilam Tk.
26. M/s Z.A. 112, Koradacheri Co-operative Agricultural Bank Limited, Koradacheri-703.

27. M/s Z.A. 95, Thethiyr Agricultural Service Co-operative Society Limited, Eravancherry (SO)501.

28. M/s Chengam Co-operative Milk Producers Society Limited, Chengam TK, N.A. District.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishments.

[S. 35019(17)/87-SS-11]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जून, 1987

का. घा. 1815.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखंड (6) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. घा. 85/22 दिनांक 22 दिसम्बर, 1986 द्वारा निर्माता की खनिज तेल कच्चा तेल) मोटर और विमानत स्पिरिट, बीजल तेल मिट्टी का तेल ईंधन तेल, विविध हाइड्रोकार्बन तेल और उनके मिश्रण, जिनमें मिनरैटिक ईंधन, स्नेहक तेल और इसी प्रकार के तेल शामिल हैं, के निर्यात या उत्पादन में लगे उद्योगों में सेवाओं को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 30 दिसम्बर, 1986 से छह मास की कालावधि के लिए उनके उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखंड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 30 जून, 1987 से छह मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

(म एस 11017/2/84-डी 1 (ग))

New Delhi, the 29th June, 1987

S.O. 1815.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. No. 85 dated the 22nd December, 1986 the industry engaged in the manufacture or production of mineral oil (crude oil), motor and aviation spirit, diesel oil, kerosene oil, fuel oil, diverse hydrocarbon oils and their blends including synthetic fuels, lubricating oils and the like, to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 30th December, 1987;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 30th June, 1987.

[No. S-11017/2/84-D.I(A)]

नई दिल्ली, 30 जून, 1987

का. घा. 1816.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखंड (6) के उपबंधों के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की

अधिसूचना संख्या का. आ. 87 दिनांक 24 दिसम्बर, 1986 द्वारा बैंक नोट प्रेस देवास (मध्य प्रदेश) को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 15 जनवरी, 1987 से छह मास की कालावधि के लिए उपयोगी सेवा घोषित किया था,

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (इ) के उपखंड (4) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोग के लिए 15 जुलाई, 1987 से छ मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोग सेवा घोषित करती है।

[सं. एम 11017/14/85 की 1 (ए)]

New Delhi, the 30th June, 1987

S.O. 1816.—Whereas the Central Government having satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry Labour S.O. No. 87 dated the 24th December, 1986 the Bank Note Press, Dewas (MP) to be a public utility service for the period of six months, from the 15th January, 1987;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires that extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 15th July, 1987.

[No. S-11017/14/85-D. I(A)]

का.आ. 1817:—मिनेमा कर्मकार और मिनेमा थियेटर कर्मका (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1981 (1981 का 50) की धारा 2 के खंड (घ) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, निम्नलिखित सारणी के काम (1) में उल्लिखित उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों को उक्त सारणी के काम (2) में की गई संगत प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट क्षेत्र के लिए उक्त अधिनियम के अधीन सश्रम प्राधिकारी नियुक्त करती है:

सारणी	
अधिकारी का पदनाम	क्षेत्र
(1)	(2)
1. श्रमायुक्त, उत्तर प्रदेश, कानपुर	समस्त राज्य
2. श्रमायुक्त, उत्तर प्रदेश, कानपुर के कार्यालय में नियुक्त सभी अपर श्रमायुक्त और उप श्रमायुक्त।	समस्त राज्य
3. श्रमायुक्त, कानपुर के कार्यालय में नियुक्त युनियन विकास अधिकारी	समस्त राज्य
4. क्षेत्रीय अपर श्रम आयुक्त कानपुर क्षेत्र, कानपुर	कानपुर क्षेत्र जिसके अंतर्गत कानपुर शहर, कानपुर देहात, इटावा फारुखाबाद और उन्नाव जिले आते हैं।

1	2
5. क्षेत्रीय उप श्रमायुक्त, इलाहाबाद	इलाहाबाद क्षेत्र जिसके अंतर्गत इलाहाबाद और फारुखाबाद जिले आते हैं।
6. क्षेत्रीय उप श्रमायुक्त, मेरठ	मेरठ क्षेत्र जिसके अंतर्गत मेरठ, मुश्फकनगर और सहारनपुर जिले आते हैं।
7. क्षेत्रीय उप श्रमायुक्त, आगरा	आगरा क्षेत्र जिसके अंतर्गत आगरा, अलीगढ़, मथुरा, मैनपुरी और इटावा जिले आते हैं।
8. क्षेत्रीय उप श्रमायुक्त, बरेली	बरेली क्षेत्र, जिसके अंतर्गत बरेली बदायूं, पीसीभीत, और शाहजहाँपुर जिले आते हैं।
9. क्षेत्रीय उप श्रम आयुक्त, लखनऊ	लखनऊ क्षेत्र, जिसके अंतर्गत लखनऊ, हरदोई, लखीमपुर खेरी, रायबरेली और सीतापुर जिले आते हैं।
10. क्षेत्रीय उप श्रम आयुक्त, गोरखपुर।	गोरखपुर क्षेत्र, जिसके अंतर्गत गोरखपुर, बस्ती, वैशाली और झांसी-गढ़ जिले आते हैं।
11. क्षेत्रीय उप श्रम आयुक्त, गाजियाबाद	गाजियाबाद क्षेत्र, जिसके अंतर्गत गाजियाबाद और बुलन्दशहर जिले आते हैं।
12. क्षेत्रीय उप श्रम आयुक्त, गढ़वाल, देहरादून	गढ़वाल क्षेत्र, जिसके अंतर्गत देहरादून, चमोली, गढ़वाल (पीसी) देहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले आते हैं।
13. क्षेत्रीय उप श्रम आयुक्त, कुमाऊँ क्षेत्र, हल्द्वानी (नैनीताल)	कुमाऊँ क्षेत्र जिसके अंतर्गत नैनीताल, अलमोड़ा और पिथौरागढ़ जिले आते हैं।
14. क्षेत्रीय उप श्रम आयुक्त, वाराणसी।	वाराणसी क्षेत्र जिसके अंतर्गत वाराणसी गजीपुर, बलिया और जौनपुर जिले आते हैं।
15. क्षेत्रीय उप श्रम आयुक्त, मुरादाबाद।	मुरादाबाद क्षेत्र जिसके अंतर्गत मुरादाबाद, रामपुर और बिजनौर जिले आते हैं।
16. क्षेत्रीय उप श्रम आयुक्त, फैजाबाद।	फैजाबाद क्षेत्र जिसके अंतर्गत फैजाबाद, बहराईन, बाराबंकी गौडा, प्रतापगढ़ और सुलतानपुर जिले आते हैं।
17. क्षेत्रीय उप श्रम आयुक्त, झांसी।	झांसी क्षेत्र जिसके अंतर्गत झांसी, ललितपुर, बांदा, हमीरपुर और जालौन जिले आते हैं।
18. क्षेत्रीय श्रम आयुक्त, [(पिपरी) मिर्जापुर।	मिर्जापुर क्षेत्र जिसके अंतर्गत केवल मिर्जापुर क्षेत्र आता है।

[एस-61011/1/87-डी-1 (ए) (2)]

S.O. 1817:—In pursuance of clause (d) of section 2 of the Cine-Workers and Cinema Theatre Workers (Regulation of Employment) Act, 1981 (50 of 1981), the Central Government hereby authorizes the Officers of the Government of Uttar

Pradesh mentioned in column (1) of the Table, to perform the functions of the Competent Authority under the said Act for the area specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table :—

Table

Designation of the Officer	Area
1	2
1. Labour Commissioner, Uttar Pradesh, Kanpur.	Whole of the State.
2. All Additional Labour Commissioners and Deputy Labour Commissioners appointed in the office of the Labour Commissioner, Uttar Pradesh, Kanpur.	Whole of the State.
3. Union Vikas Officer appointed in the Office of the Labour Commissioner, Kanpur.	Whole of the State.
4. Regional Additional Labour Commissioner, Region, Kanpur.	Kanpur region comprising Kanpur Shahar, Kanpur Dehat, Etawah, Farrukhabad and Unnao Districts.
5. Regional Deputy Labour Commissioner, Allahabad.	Allahabad Region comprising Allahabad and Fatehpur Districts.
6. Regional Deputy Labour Commissioner, Meerut.	Meerut Region comprising Meerut, Muzaffarnagar and Saharanpur Districts.
7. Regional Deputy Labour Commissioner, Agra.	Agra Region comprising Agra, Aligarh, Mathura, Mainpuri and Etah Distt.
8. Regional Deputy Labour Commissioner, Bareilly.	Bareilly region comprising Bareilly, Badaun, Pilibhit and Shahjahanpur Districts.
9. Regional Deputy Labour Commissioner, Lucknow.	Lucknow region comprising Lucknow, Hardoi, Lakhimpur Khairi, Raebareli and Sitapur Districts.
10. Regional Deputy Labour Commissioner, Gorakhpur.	Gorakhpur region comprising Gorakhpur, Basti, Deoria and Azamgarh Distt.
11. Regional Deputy Labour Commissioner, Ghaziabad.	Ghaziabad region comprising Ghaziabad and Bulandshahr Districts.
12. Regional Deputy Labour Commissioner, Garhwal, Dehra Dun.	Garhwal Region comprising Dehradun, Chamoli, Garhwal (Pauri) Tehri Garhwal and Uttarkashi Districts.
13. Regional Deputy Labour Commissioner, Kumaon Region, Haldwani (Naini Tal).	Kumaon region comprising Naini Tal, Almora and Pithoragarh Districts.
14. Regional Deputy Labour Commissioner, Varanasi.	Varanasi region comprising Varanasi, Gazipur, Balla and Jaunpur Districts.
15. Regional Deputy Labour Commissioner, Moradabad.	Moradabad region comprising Moradabad, Rampur and Bijnor Districts.

1	2
16. Regional Deputy Labour Commissioner Faizabad.	Faizabad region comprising Faizabad, Bahraich, Bar banki, Gonda, Pratapgarh and Sultanpur Districts.
17. Regional Deputy Labour Commissioner, Jhansi.	Jhansi region comprising Jhansi, Lalitpur, Banda, Hamirpur and Jalaun Districts.
18. Regional Labour Commissioner, Mirzapur.	Mizarpur region comprising Mirzapur District only.

[F.No. S-61011/1/87-D.I(A)(ii)]

का.प्रा.1818 :—सिनेमा कर्मकार और सिनेमा थियेटर कर्मकार (निर्गोत्रण का विनियमन) अधिनियम, 1981 (1981 का 50) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित सारणी के कालम (1) में उल्लिखित उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों को उक्त सारणी के कालम (2) में की गई संगत प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट क्षेत्र के लिए उक्त अधिनियम के प्रचलन संराधन अधिकारियों के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है :—

सारणी

अधिकारी का पदनाम	क्षेत्र
1	2
1. (1) उप रजिस्ट्रार, ट्रेड यूनियन्स, उत्तर प्रदेश कानपुर	समस्त राज्य
[(2) सहायक रजिस्ट्रार, ट्रेड यूनियन्स, उत्तर प्रदेश, कानपुर]	समस्त राज्य
2. सभी ट्रेड यूनियन निरीक्षक, उत्तर प्रदेश, कानपुर	समस्त राज्य
3. अभायुक्त, उत्तर प्रदेश, कानपुर के कार्यालय में नियुक्त सभी श्रम अधिकारी, संराधन अधिकारी, और सहायक श्रम अधिकारी।	समस्त राज्य
4. वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, उत्तर प्रदेश, कानपुर	समस्त राज्य
5. दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के उप मुख्य निरीक्षक, उत्तर प्रदेश, कानपुर	समस्त राज्य
6. स्पार्ड भादेश अधिकारी, उत्तर प्रदेश, कानपुर	समस्त राज्य
7. क्षेत्रीय प्रपर/उप श्रम आयुक्त, कानपुर क्षेत्र, कानपुर के कार्यालय में नियुक्त सभी संराधन अधिकारी और श्रम अधिकारी।	समस्त राज्य कानपुर क्षेत्र जिसमें कानपुर नगर, कानपुर देहात, इटावा, फारुखाबाद और उन्नाव जिले शामिल हैं।
8. क्षेत्रीय उप-श्रम आयुक्त, इलाहाबाद क्षेत्र, इलाहाबाद के कार्यालय में नियुक्त सभी संराधन अधिकारी और श्रम अधिकारी	इलाहाबाद क्षेत्र जिसमें इलाहाबाद और फतेहपुर जिले शामिल हैं।

21. क्षेत्रीय उप श्रम प्रायुक्त, (पिपरी), मिर्जापुर क्षेत्र, मिर्जा - मिर्जापुर क्षेत्र जिसके अंतर्गत केवल मिर्जापुर क्षेत्र आता है।
पुर के कार्यालय में नियुक्त सभी सरासन अधिकारी और श्रम अधिकारी।

नन्द लाल, ग्रामर सचिव

S.O. 1818 :—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Cine-Workers and Cinema Theatre Workers (Regulation of Employment) Act, 1981 (50 of 1981), the Central Government hereby appoints the Officers of the Government of Uttar Pradesh mentioned in Column (1) of the Table below, to be Conciliation Officers for the purposes of the said Act, for the area specified in the corresponding entry in Column(2) of the said Table :—

Designation of the Officer	Area
1	2
1. (i) Deputy Registrar, Trade Unions, Uttar Pradesh, Kanpur.	Whole of the State.
(ii) Assistant Registrars, Trade Unions, Uttar Pradesh, Kanpur	Whole of the State.
2. All Trade Union Inspectors, Uttar Pradesh, Kanpur.	Whole of the State.
3. All Labour Officers, Conciliation Officers and Assistant Labour Officers appointed in the office of the Labour Commissioner, Uttar Pradesh, Kanpur.	Whole of the State.
4. Senior Research Officer, Uttar Pradesh, Kanpur.	Whole of the State
5. Deputy Chief Inspector of Shop and Commercial Establishment, Uttar Pradesh, Kanpur.	Whole of the State.
6. Standing Orders Officer, Uttar Pradesh, Kanpur.	Whole of the State
7. All Conciliation Officers and Labour Officers appointed in the Office of the Regional Additional/Deputy Labour Commissioner, Kanpur Region, Kanpur.	Kanpur region which includes Kanpur Shahar, Kanpur Dehat, Etawah, Farrukhabad and Unnao Districts.
8. All Conciliation Officers and Labour Officers appointed in the Office of the Regional Deputy Labour Commissioner, Allahabad Region, Allahabad.	Allahabad Region which includes Allahabad and Fatehpur Districts.

- | 1 | 2 |
|---|---|
| 9. All Conciliation Officers and Labour Officers appointed in the Office of the Regional Deputy Labour Commissioner, Meerut Region, Meerut. | Meerut Region which includes Meerut, Muzaffarnagar and Saharanpur Districts. |
| 10. All Conciliation Officers and Labour Officers appointed in the office of the Regional Deputy Labour Commissioner Agra Region, Agra. | Agra Region which includes Agra, Aligarh, Mathura, Mainpuri and Etah Districts. |
| 11. All Conciliation Officers and Labour Officers appointed in the Office of the Regional Deputy Labour Commissioner, Bareilly Region, Bareilly. | Bareilly Region comprising Bareilly, Badaun, Pilibhit and Shahjahanpur Districts. |
| 12. All Conciliation Officers and Labour Officers appointed in the office of the Regional Deputy Labour Commissioner, Lucknow Region, Lucknow. | Lucknow region comprising Lucknow, Hardoi, Lakhimpur Kheri, Rae Bareilly and Sitapur Districts. |
| 13. All Conciliation Officers and Labour Officers, appointed in the office of the Regional Deputy Labour Commissioner Gorakhpur Region, Gorakhpur. | Gorakhpur Region comprising Gorakhpur, Basti, Deori and Azamgarh Districts. |
| 14. All Conciliation Officers and Labour Officers appointed in the office of the Regional Deputy Labour Commissioner Ghaziabad Region, Ghaziabad. | Ghaziabad Region comprising Ghaziabad and Bulandshahr Districts. |
| 15. All Conciliation Officers and Labour Officers appointed in the office of the Regional Deputy Labour Commissioner, Garhwal Region, Dzhra Dun. | Garhwal Region comprising Dehra Dun, Chamoli, Garhwal Pauri Tehri and Uttarkashi Districts. |
| 16. All Conciliation Officers, and Labour Officers appointed in the Office of the Regional Deputy Labour Commissioner, Kumaun Region, Haldwani Naini Tal. | Kumaun Region comprising Naini Tal, Almora and Pithoragarh Districts. |
| 17. All Conciliation Officers and Labour Officers appointed in the office of the Regional Deputy Labour Commissioner, Varanasi Region, Varanasi. | Varanasi Region comprising Varanasi, Gazipur, Ballia and Jaunpur Districts. |

- | 1 | 2 |
|---|--|
| 18. All Conciliation Officers and Labour Officers appointed in the office of the Regional Deputy Labour Commissioner, Moradabad Region, Moradabad. | Moradabad Region comprising Moradabad, Rampur and Bijnor Districts. |
| 19. All Conciliation Officers and Labour Officers appointed in the office of the Regional Deputy Labour Commissioner, Faizabad Region, Faizabad. | Faizabad Region comprising Faizabad, Bahraich, Barabanki, Gonda, Pratapgarh and Sultanpur Districts. |
| 20. All Conciliation Officers and Labour Officers appointed in the office of the Regional Deputy Labour Commissioner, Jhansi Region, Jansi. | Jhansi Region comprising Jhansi, Lalitpur, Banda, Hamirpur and Jalaun Districts. |
| 21. All Conciliation Officers and Labour Officers appointed in the office of the Regional Deputy Labour Commissioner, (Pipri) Mirzapur Region Mirzapur. | Mirzapur Region comprising Mirzapur District only. |

[F.No. S-51011/2/37-D-1(A)(i)]
NAND LAL, Under Secy.

मई दिनांक, 29 जून 1987

का.प्र. 1819.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, गोविन्दपुर कोलिरी, मैसर्स भारत कोकिंग कोले. लि. के प्रबन्धन के सम्बन्ध में निदेशों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, संख्या 1, धनबाद के पंचाट का प्रावधान करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 16 जून, 1987 का प्राप्त हुआ था।

New Deilth, the 29th June, 1987

S.O. 1819.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Govindpur Colliery of M/s Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th June, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 65 of 1983

PARTIES :

Employers in relation to the management of Govindpur Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited.

AND

Their Workmen

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer

APPEARANCES :

For the Employers : Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen : None

STATF : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhambad, dated, the 30th May, 1987

AWARD

By Order No. L-20012(133)/83-D.III(A) dated, the 13th September, 1983, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by Clause (d) of Sub-Section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication --

"Whether the demand of the workmen of Govindpur Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited for promotion of Sarvashri Shyamal Banerjee and Dhananjay Banerjee, Grade-II Clerks, as Grade-I Clerks from the date of promotion of workmen Junior to them is justified? If so, to what relief are the two said workmen entitled and from what date?"

2. The case of the concerned workmen, namely, Sarvashri Shyamal Banerjee and Dhananjay Banerjee is as follow :

Sarvashri Shyamal Banerjee and Dhananjay Banerjee are workmen of Govindpur Colliery of M/s B.C.C. Ltd. They were working as Grade-II Clerks in the said colliery. It is alleged by them that even though both of them were fit for promotion to the post of Grade-I Clerks, they were not promoted to that cadre. Even so some hands were promoted and they were superseded. In the circumstances the present reference has arisen

3 The Management in its written statement, has taken the position that promotion is a matter which is within exclusive jurisdiction of the management and no workman can demand his promotion as of right. It is the further case of the management that it formulated a promotion policy for effecting promotion of Clerical staff from one grade to next higher grade on the basis of recommendations of Departmental Promotion Committee. The Departmental Promotion Committee is constituted at intervals of time for selection and recommendation of candidates for promotion to higher post according to the need of the management. Since the concerned workmen were not cleared by the Departmental Promotion Committee, they were not promoted to the post of Grade-I Clerks from Grade-II. It is asserted that the concerned workmen made confusion between the cases of regularisation with the cases of promotion. When any workman works in some higher post on permanent basis for a long period, he is regularised in that post and the promotion is affected on the basis of recommendations of Departmental Promotion Committee. post of Grade-I Clerks with effect from 1-5-1983 on the recommendations of Departmental Promotion Committee and in the circumstances it has been prayed by the management that the present reference case be disposed of holding that the concerned workmen are not entitle to any relief.

4 Admittedly both the workmen, namely, Shri Shyamal Banerjee and Dhananjay Banerjee are employed in Govindpur Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. Earlier they were employed as Grade-II Clerks. Their case is that they were ignored by the management in so far as their promotion to the post of Grade-I Clerks is concerned and were superseded by two other junior hands. The case of the management is that the matter of promotion is exclusively preserve of the management and that no workman can demand promotion as a matter of right. It is the further case of the management that promotion policy has been formulated for affecting promotion of clerical staff from one grade to next higher grade on the basis of recommendations of the Departmental Promotion Committee and that since the concerned workmen were not cleared by the Departmental Promotion Committee they were not promoted to Grade-I from Grade-II. However, the management has since promoted both the concerned

workmen to the post of Clerical Grade-I with effect from 1-5-1983 on the basis of recommendations of Departmental Promotion Committee

5. The workmen concerned have not appeared and adduced any evidence at the time of trial in support of their case. On the other hand, the management has adduced evidence and examined Sri K. N. Gupta, Personnel Manager of Katras Area of M/s. B.C.C. Ltd as MW-1 and introduced some documentary evidence which have been marked Exts. M-1 and M-1/1. Sri K. N. Gupta has stated in his evidence that he is at present working in Katras Area of M/s B.C.C Ltd and that he worked in Govindpur Area as Deputy Personnel Manager from April, 1982 to August, 1985. He has emphatically stated that it is a policy decision of the management to promote from Grade-II Clerks to Grade-I Clerks on the basis of the recommendations of Departmental Promotion Committee, and that the Departmental Promotion Committee, in its turn, considers for promotion of a candidate the date of his joining service, qualification, service records and efficiency. He has also stated that the concerned workmen were not cleared by Departmental Promotion Committee for promotion to Grade-I Clerks in January, 1983. This evidence of his is supported by letters both dated 22-8-1983 (Exts. M-1 and M-1/1) issued to the concerned workmen by the then General Manager of Govindpur Area stating that both of them have been promoted to Clerks, Grade-I with effect from 1-5-1983 on the recommendations of Departmental Promotion Committee. This being the evidence it can be safely concluded that the concerned workmen could not justify their claim for promotion to Clerks Grade-I from any date earlier to that on which they were promoted to the said grade. Considering facts and circumstances of the case I come to the inescapable conclusion that the action of the management with regard to the promotion of these workmen concerned is justified and the demand of the concerned workmen is not.

6 Accordingly the reference case is disposed of. It is hereby held that the demand of the workmen of Govindpur Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited for promotion of Sarvashri Shyamal Banerjee and Dhananjay Banerjee, Grade-II Clerks as Grade-I Clerks from the date of promotion of workmen Junior to them is not justified. In the circumstances of the case parties are to bear their costs.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No L-20012(133)/83-D. III (A)]

का.प्र. 1820 -- प्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गत में केन्द्रीय सरकार, करीबीहू कोयली, मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के मालिक के माध्यम से निरीक्षण प्रौद्योगिक अधिकरण, संख्या 1, धनबाद के संघट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17 जन, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1820—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhambad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kooridih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th June, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947.

Reference No. 32 of 1983

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kooridih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri S. K. Mitra.

Presiding Officer:

Reference No. 32/83

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri G. Prasad, Advocate.

For the Workmen.—None.

STATE : Bihar.

Industry : Coal.

Dhanbad, dated, the 8th June, 1987

AWARD

The present reference arises out of Order No. L-20012-(230)/82-D.III(A) dated, the 29th April, 1983 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows :—

“Whether the demand of Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad for reinstatement of the 23 workers listed in the Annexure below in the Kooridih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited is justified? If so, to what relief are the concerned workmen entitled?”

ANNEXURE

1. Budhu Majhi.
2. Jethu Majhi.
3. Chura Majhi.
4. Purna Majhi.
5. Hiranjan Majhi.
6. Sukra Majhi.
7. Dargu Majhi.
8. Churka Majhi.
9. Bhaglu Majhi.
10. Bhodia Majhi.
11. Somra Majhi.
12. Chunu Majhi.
13. Majhla Majhi.
14. Daban Majhi.
15. Bhuma Majhi.
16. Nanhak Majhi.
17. Sona Majhi.
18. Sitaram Majhi.
19. Khai Majhi.
20. Babu Majhi.
21. Nanulal Majhi.
22. Rameshwar Majhi.
23. Hariram Rajwar.

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No. L-20012/230/82-D.III(A)]

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

Employers in relation to the Management of Kooridih Colliery.

AND

Their workmen represented by Secretary, R.C.M.S., Dhanbad.

Whereas the Government of India, Ministry of Labour referred the above dispute to Central Government Industrial Tribunal No. I for adjudication.

Whereas be the parties mutually agreed to settle the dispute on the following terms and conditions :—

Terms and Conditions :

1. That the individual concerned will not be more than 45 years of age on the date of signing this settlement.
2. That individuals will be medically fit for undertaking job as miner/loader. (The list enclosed)
3. That each have to give proper identification/proof about their identity and past employment.
4. That the workmen shall be allowed to resume duty as Miner/Loader.

The Hon'ble Tribunal may therefore, give his Award on the above terms and conditions to which both parties agreed mutually.

For Employers :

(S. B. RAJ),

General Manager,
Govindpur Area.

For Union:

(G. D. PANDEY),
Joint General Secretary,
R.C.M.S.

Part of the Award

KOORIDIH COLLIERY

Budku Majhi & 22 others

S.No.	Name	Father's Name	Date of Appt.	I.D. Card No.
1	2	3	4	5
1.	Budhu Manjhi	Dhani Manjhi	1-1-1973	211894/ML
2.	Lodha Manjhi	Barke Manjhi	1-1-1973	211884/ML
3.	Dawan Manjhi	Sukhu Manjhi	1-1-1973	211028/ML
4.	Majhlu Manjhi	Jaga Manjhi	1-1-1973	211875/ML
5.	Purna Manjhi	Chhoto Manjhi	-do-	211944/ML
6.	Durgu Manjhi	Sudhana Manjhi	-do-	211899/ML
7.	Mankhu Manjhi	Fagu Manjhi	-do-	211905/ML
8.	Suha Manjhi	Dukhua Manjhi	-do-	212023/ML
9.	Sitaram Manjhi	Churka Manjhi	-do-	212025/ML
10.	Chodwla Manjhi	Jasoya Manjhi	-do-	212014/ML
11.	Dhuma Manjhi	Sukhu Manjhi	-do-	211897/ML
12.	Jattu Manjhi	Bhagat Manjhi	-do-	211871/ML
13.	Kharo Manjhi	Chhotu Manjhi	-do-	211898/ML
14.	Babu Manjhi	Jagdish Manjhi	-do-	211903/ML
15.	Nunulal Manjhi	Ckottu Manjhi	-do-	211901/897) ML

1.	2.	3.	4.	5.
16.	Rameshwar Manjhi	Jagdish Manjhi	1-1-1973	212024/ML
17.	Hiraman Manjhi	Mejhlu Manjhi	-do-	212022/ML
18.	Chunu Manjhi	Raje Manjhi	-do-	211995/ML
19.	Somra Manjhi	Barku Manjhi	-do-	211885(899) ML
20.	Sukra Manjhi	Mahjhle Manjhi		211826/ML
21.	Majhlu Manjhi	Jagu Manjhi	-do-	211891/ML
22.	Churka Manjhi	Barku Manjhi	-do-	211871/ML
23.	Hariram Rajwar	Late Bistu Rajwar	4-10-71	21284/ML

का.आ. 1821.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गत में, केन्द्रिय सरकार, आजादवा कॉलरी, मेसर्स टाटा आयरन एंड स्टील लिमिटेड, के प्रत्येक के सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच अन्तर्गत में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रिय सरकार सहाय्यिक अतिरिक्त मध्य 2. अन्तर्गत के पत्राचार प्रकाशित करती है, की केन्द्रिय सरकार का 17 जून, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1821.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jamadoba Colliery of M/s. Tata Iron and Steel Co. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th June, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 21 of 1985

In the matter of industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

PARTIES :

Employers in relation to the management of Jamadoba Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Co. Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri B. N. Sharma, Joint General Secretary Janta Mazdoor Sangh.

On behalf of the employers—Shri S. S. Mukherjee Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 9th June, 1987

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012 (387)/84-D.III (A) dated, the 28th February, 1985.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Jamadoba Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited in terminating the services of Shri Banarsi Ram, Timber Mazdoor with effect from 19th April, 1984 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

The case of the workman is that the concerned workman Shri Banarsi Ram was working as a Timber Mazdoor at Jamadoba Colliery of M/s. Tisco Ltd. with effect from 1-11-86. He was in the permanent service of Tisco. The Agent of Jamadoba Colliery terminated his services with effect from 19-4-84 on medical ground by letter dated 24/

529 GI/87—7

25-4-84. The management completely ignored the medical certificate of fitness given by Tisco main hospital declaring him fit for duty. The services of the concerned workman was terminated without giving him any opportunity to show cause, produce oral and documentary evidence to rebut or refute the ground of termination. The action of the management in terminating the services of the concerned workman was an arbitrary act on the part of the management and it was in violation of the well accepted principles of natural justice. The total period under which the concerned workman was in medical treatment as indoor patient of the company's hospital at Jamadoba or at Jamshedpur till he was discharged from service did not exceed more than 3 months and 6 days from 13-1-84 to 19-1-84. The management's contention that the medical opinion in respect of the concerned workman was that he was unfit for duty is perverse. The Company's main hospital at Jamshedpur where the concerned workman was sent for further treatment from the Company's Central Hospital at Jamadoba had declared in its certificate given to the concerned workman on 9-4-84 that he was fit for his duty and not that he was medically unfit to do his duty. The statement of the management regarding the state of health and ailment of the concerned workman are false. The termination of the concerned workman's services amounted to his illegal retrenchment without compliance with Section 25-F and 25-N of the I.D. Act. The termination of services of the workman on the ground of medical unfitness is not covered by any of the exceptions in the definition of retrenchment in Section 2(cc) of the I. D. Act. The termination is not covered even by the expression continued ill health under Section 2(cc)(e) of the Act. The period of 3 months during which the concerned workman was under medical treatment cannot constitute a period to justify the contention of the management that the concerned workman was suffering from continued ill health. The management's letter of termination of the services of the concerned workman also does not state that his services were terminated due to his continued ill health. The concerned workman was quite fit for duty and has not suffered from any ailment after his services were terminated. It is prayed on behalf of the workman that the order of termination of the management be set aside and the management be directed to reinstate the concerned workman with full back wages and all consequential benefits from the date of his termination to the date of his reinstatement in service.

The case of the management is that the concerned workman did not represent his alleged grievance either before the Group Grievance Committee or the Central Grievance Committee which consists of equal number of representative of the management and the workmen to look into and redress the genuine grievances of a workman. The concerned workman was appointed as piece rated stone stacker with effect from 1-11-76 and was placed as Cat. I Mazdoor. Thereafter he was promoted as Timber Mazdoor in Cat. II with effect from 21-7-81. The concerned workman was suffering from some ailment. He was admitted in the Tisco's Jamadoba Hospital on 13-1-84 where it was detected that he was suffering from Jacksonian—Epilepsy. The concerned workman had another epileptic fit while he was in Jamadoba hospital. He was given treatment in the hospital and was thereafter referred to Tata Main Hospital at Jamshedpur for further investigation. The diagnosis of Jamadoba Central Hospital regarding the concerned workman was confirmed by the medical board at Tata Main hospital at Jamshedpur and it was found that he was not fit for his original job as Timber Mazdoor in the underground. As the concerned workman was suffering from Jacksonian—Epilepsy which was an incurable disease. He could have sudden attack of the said disease at any time and as such it was considered that to allow the concerned workman continue to work in his original job after the above diagnosis would endanger his life and lives of his fellow workmen. It was on this account that the concerned workman was discharged on medical ground from the company's services with effect from 19-4-84. The diagnosis of epilepsy is considered as a case of continued ill health and it cannot be cured by treatment and a workman suffering from the disease is incompetent to continue in the job for which he was engaged. On the above facts it was submitted on behalf of the workmen that the action of the management in terminating the services of the concerned workman with effect from 19-4-84 is justified and that the concerned workman is not entitled to any relief.

The only point to be decided in this case is whether termi-

nation of the services of the concerned workman with effect from 19-4-84 on the medical ground is justified.

The management examined three witnesses and the workmen examined two witnesses in support of their case. The management produced documents which have been marked Ext. M-1 to M-7. Only one document was filed on behalf of the workmen which is marked as Ext. W-1.

Admittedly, the services of the concerned workman have been terminated by the management on medical ground with effect from 19-4-84. Ext. M-6 dated 24/25-4-84 is the letter of discharge of the concerned workman issued under the signature of the Agent, Jamadoba Colliery to the concerned workman. It will appear from this letter that the services of the concerned workman was discharged with effect from 19-4-84 on the medical ground. It is further stated that the medical board which examined the concerned workman on 18-4-84 at the Central Hospital, Jamadoba declared him unfit for original job. We have therefore to refer to the opinion of the medical board dated 18-4-84 on the basis of which the concerned workman was discharged from medical ground. Ext. M-1 dated 9-4-84 is the discharge certificate issued by Tisco's hospital at Jamshedpur. It will appear from this discharge certificate that no abnormality was detected and that the advice was that he was fit to duty. Ext. M-2 is the report of the Standing Medical Board dated 19-7-84 issued by the Tisco Jamshedpur medical department. The disease from which the concerned workman was suffering was Jacksonian epilepsy. It shows that the concerned workman was admitted at Tata Medical hospital on 3-4-84. It further shows that the concerned workman was found unfit from 10-7-84 and was still unfit till 19-7-84. It will further show that "in view of the focal fits" he is advised to be away from moving machinery or from underground jobs and is advised to work on surface level non-hazardous job only. Thereafter the recommendation of the board was that he was unfit for his original job and was fit only for a light sedentary job at ground level away from moving machinery outside the works. Ext. M-3 dated 7-8-84 is the report of the Standing Medical Board which has reiterated about the disability and recommendation as stated in Ext. M-2. Ext. M-5 dated 18-4-84 is the certificate issued by Jamadoba Central Hospital, Medical Board. It will show that the case of the concerned workman was a case of epilepsy. It stated that he was on sick report from 13-1-84 and was admitted in T.C.M. Jamadoba where he had another epileptic fit and was referred to Tata Medical Hospital at Jamshedpur for further investigation where the case was diagnosed as Jacksonian epilepsy. It further states that in view of the above he was unfit for underground job. MW-1 Dr. P. Verma is the Asstt. Medical Officer at Tata Main hospital, Jamshedpur. The discharge certificate Ext. M-1 is under his signature. He has stated that he did not know the nature of job of the concerned workman when he had granted the discharge certificate Ext. M-1. On reference to the said certificate it will appear that MW-1 had advised that the concerned workman was fit for duty. Thus this discharge certificate granted by MW-1 cannot support the case of the management for discharge of the concerned workman from service. MW-2 Dr. A. R. N. Prasad is plant medical officer attached to the Tata Main hospital at Jamshedpur. He was one of the member of the board constituted to examine the concerned workman. He has named the other doctors constituting the board who had considered the case of the concerned workman. The report of the medical board containing the signature of all the four members constituting the board is Ext. M-2. He has stated that the diagnosis of the concerned workman was that he was a patient of Jacksonian epilepsy. He has stated that this disease is a continued illness and patient cannot be allowed to work underground because he may have an attack of the disease any moment. In cross-examination he has stated that the concerned workman was admitted in Tata Main Hospital at Jamshedpur from 3-4-84 to 9-4-84 and he was discharged from the hospital on 9-4-84. He has stated that the medical board issued the certificate on 7-8-84. It appears from his evidence that the concerned workman had not appeared before the medical board on 7-8-84 when the medical board issued the certificate dated 7-8-84. He has stated that the board had considered the reports and the findings of the doctor and thereafter the board had given its opinion. He has clearly stated that the concerned workman had not physically appeared before the medical board. He has also stated that from the records of the hospital at Jamshedpur it did not appear that the concerned workman had any epileptic fit after admission in the hospital at Jamshedpur. It will thus appear

from his evidence that the medical board had given the opinion without examining the concerned workman and that the opinion of the medical board was based on the papers of the hospital in connection with the concerned workman. In the end he has stated that the concerned workman was found unfit for underground only and not for surface work. MW-3 Dr. Y. K. Palewal is another Sr. Physician of Tisco, Central Hospital at Jamshedpur. He has stated that the concerned workman was underground worker. He has produced the original case sheet of the concerned workman the photo copy of which has been marked as Ext. M-4. He has stated that while the concerned workman was in the hospital at Jamadoba had a fit of epilepsy and the same is recorded in Ext. M-2. He has stated that in his opinion a workman suffering from epilepsy cannot be allowed to work underground. He has further stated that if epileptic fit is, not treated it may give rise to certain complications of his health. He has stated that the concerned workman was examined at Jamadoba by a medical board to find out whether he was fit to work and MW-3 was one of the member of the said board. The finding of the Medical Board at Jamadoba is Ext. M-5. He has stated that the board found that the concerned workman was not fit to work underground. In cross-examination he has stated that Ext. M-1 is the discharge certificate dated 9-4-84 showing that the concerned workman was fit for duty. Thus it appears that although at the time of discharge of the concerned workman from Jamadoba hospital the doctor had found him fit for duty, the doctors subsequently opined that the concerned workman was not fit to work underground. Neither any of the doctors examined on behalf of the management nor any of the documents produced on behalf of the management show that the concerned workman was completely unfit to work. It appears that the medical opinion was that as the concerned workman was suffering from Jacksonian epilepsy it was not advisable to employ him underground or near the moving machineries. Ext. M-4 which is the medical history report of the concerned workman of Jamadoba Hospital does not show that the concerned workman was suffering from Jacksonian epilepsy and the said opinion about the Jacksonian epilepsy was based upon the medical papers of the hospital without examining the concerned workman. The opinion of the medical board therefore that the concerned workman was suffering from Jacksonian epilepsy is not based on the personal physical examination of the concerned workman by doctors constituting the medical board at Jamshedpur or at Jamadoba. However, even accepting the opinion of the medical board that the concerned workman was suffering from Jacksonian epilepsy, the advice of the medical board was to the effect that he was not fit to work underground or near the moving machines. The medical board in their paper opined that the concerned workman was fit to work on the surface of the mine.

The workmen have examined WW-1 Dr. B. D. Singh a Civil Assistant Surgeon at Habeli Khairagpur. He has stated that the concerned workman was under his treatment from 1-4-85 to 30-12-85 and he did not find the concerned workman suffering from epilepsy. He has further stated that he found the concerned workman fit to work and join his duties as it was not a case of continued ill health. In the cross-examination he has stated that the epileptic fit attack suddenly and that the diagnosis of epilepsy can only be detected by an episode before a trained medical person. It will thus appear that as the concerned workman had no attack of epilepsy in presence of WW-1 it was not possible for him to say that the concerned workman was not suffering from epilepsy. He has stated that an epileptic patient should not be put in employment underground or in front of fire or in any hazardous work. The doctor at Jamadoba in Ext. M-4 had made a note that while the concerned workman was admitted in Jamadoba hospital he had a severe convulsion on 13-1-84 at 6 P.M. Thus the doctor at Jamadoba had found that the concerned workman had a convulsion of generalised type while he was admitted in the hospital. It cannot therefore be said that the concerned workman was not suffering from epileptic fits. WW-2 is the concerned workman. He has stated that he was admitted in Jamshedpur hospital for 7 days but during that period he had no attack of epileptic fit. He has also stated that no medical board examined him at Jamshedpur prior to his discharge from service. He has stated that he had been admitted in Jamadoba hospital at Tisco on 13-1-84. He has stated that on 12-1-84 he was on fast in connection with Laxmi Puja and such on 13-1-84 when he was going to join his shift he was about to fall due to weakness but he was caught hold

by his relation and incidentally he was taken to Jamadoba hospital from where he was sent to Jamshedpur hospital. He has denied that he had got any epileptic fit when he was admitted in Jamadoba hospital but this statement of the concerned workman cannot be believed as there is a definite evidence in the case sheet that he had epileptic fit while admitted in Jamadoba hospital and there is no reason to disbelieve the medical record of Jamadoba hospital.

On consideration of the above facts and evidence it may be concluded that the concerned workman had an attack of epileptic fit and I do not find good reason to disbelieve the opinion of the medical board regarding the fact that the concerned workman was suffering from Jacksonian epilepsy. However, the medical board only opinion that the concerned workman was not fit to work underground or near the moving machinery and as such there was no reason for the management to discharge the concerned workman from service. The management could have given an alternative job to the concerned workman on the surface as the concerned workman was not unfit to do any job on the surface. In the above view of the matter I think that the action of the management in discharging the concerned workman from his service and depriving him from his livelihood was not justified. The management has many jobs on the surface in which the concerned workman could have been employed without detriment to the management or the concerned workman.

In the result, I hold that the action of the management of Jamadoba colliery of M/s. Tisco, terminating the services of the concerned workman Shri Benarsi Ram with effect from 19-4-84 is not justified on the medical ground which only opined that he was unfit for underground work or near the moving machine. The management is therefore directed to reinstate the concerned workman with effect from 19-4-84 and to give him an alternative job on the surface away from the moving machine. In view of the fact that the medical board did not opine the concerned workman completely unfit for work, the management is also to pay all his dues which he was entitled from the date of his discharge to the date of his reinstatement. The management is further directed to reinstate the concerned workman within one month from the date of publication of the Award.

Dated : 9-6-1987.

I. N. SINHA, Presiding Officer
[No. L-20012/387/84-D.III (A)]

का.प्र. 1822—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रिय सरकार, मुम्बई प्रोजेक्ट, मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, के प्रबन्धन के सम्बन्ध में उनके कर्मचारियों के बाब, अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रिय सरकार औद्योगिक अधिनियम, संख्या 1, धनबाद के पकट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रिय सरकार को 16 जून, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1822.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between employers in relation to the management of Muraidih Project of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th June, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 50 of 1983

PARTIES :

Employers in relation to the management of Muraidih Project of Messrs Bharat Coking Coal Limited.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen—None.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 29th May, 1987

AWARD

By Order No. L-20012(474)/82-D.III (A) dated, the 28th June, 1983, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by Clause (D) of Sub-Section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of Muraidih Project of Messrs Bharat Coking Coal Limited, in first giving group ‘D’ and after four years service group ‘C’ to Shri Mohd. Nisar E.P. Fitter-Cum-Mechanic in terms of Annexure ‘B’ to Joint Bipartite Committee for Coal Industry, Circular No. C5C/JBCCI/IR/94/IMP/1167 dated 2nd February, 1981 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. The facts leading to the present reference is as follows. Md. Nisar, the concerned workman, was appointed by M/s. B.C.C. Ltd. as E.P. Electrical Fitter-Cum-Mechanic in May, 1979 on Excavation Grade ‘D’. Subsequently during the period of the conciliation proceeding, the management upgraded him to the post of Excavation Grade ‘C’. The Standardisation Committee of Joint Bipartite Committee for the Coal Industry discussed and approved certain unanimous recommendations of the Sub-Committee ‘C’ in its meeting held on 17-1-1981. As per item No. 8 under Group ‘B’ of the Annexure ‘B’ to the JBCCI circular No. C5C/JBCCI/IR/94/IMP/1167 dated 2-2-1981 the following criteria has been fixed for Fitter-Cum-Mechanic to deserve Group ‘B’. The guidelines envisage in the criteria is that a highly skilled workman possessing at least 7 years experience in the accurate fitting and assembling of various types of excavating equipments besides general repairs and maintenance thereof is entitled to be placed under Group ‘B’. It further envisages that the aforesaid workman should be able to undertake disassembling, repairing and overhauling of various types of diesel engines, to diagnose the mechanical faults and rectifying of the same, to read and use instruments for accurate measurement and undertake repairing jobs independently. He should be literate to maintain log books for repairs and maintenance and should understand maintenance charts. It is claimed that by applying above criteria Md. Nisar is entitled to be placed in Excavation Grade ‘B’ Scale of wages with effect from the date of the JBCCI recommendation as he already possessed more than 20 years experience at the time of appointment; he had acquired knowledge and necessary capabilities. The action of the management in placing him in Excavation Grade ‘C’ instead of Excavation Grade ‘B’ Scale of wages admissible to a Fitter-Cum-Mechanic Grade I is not justified.

3. In opposition, the management has contended that Md. Nisar applied for the post of Fitter Grade III corresponding to Fitter Excavation Grade ‘D’ in consideration of relevant matters including past experience and previous employment. The seniority of all candidates in Grade ‘D’ is counted from the date they joined their services and their past services in different organisations are not considered for the purpose of seniority in M/s. B.C.C.L. Organisation. In usual way the case of Md. Nisar was considered for Grade ‘C’ along with other Grade ‘D’ workmen in the year 1982. According to norms prescribed by the JBCCI Md. Nisar was found suitable for promotion to Grade ‘C’ and he was promoted to Grade ‘C’ in 1982. In the circumstances the management has prayed that an award be passed holding that the concerned workman is not entitled to any relief.

Fitter Grade III (Excavation) by letter of appointment dated

4. Admittedly Md. Nisar was appointed to the post of 29-4-1979 (Ext. M-1). By his letter dated 7-5-1979 (Ext. M-2) to the Personnel Manager, M/s. B.C.C. Ltd., Dhanbad, Md. Nisar accepted the appointment. It has been contended by Md. Nisar that in view of unanimous recommendation of Sub-Committee ‘C’ on 17-1-1981 of J.B.C.C.L. for the Coal Industry which was approved by Standardisation Committee certain norms were laid down for appointment or promotion to the post of Grade ‘B’ Scale of wages for Fitter-

Qualifications and that in terms of these norms Md. Nisar is entitled to be placed in Excavation Grade B scale of wages with effect from the date of 1982 recommendation. This recommendation has not been placed before this Tribunal nor has the workman taken steps to establish his claim that in view of his qualification and experience he is entitled to be placed in Excavation Grade B. On the other hand, the management has examined Sri M. K. Singh, Deputy Personnel Manager in Govindapur Area of M/s. B.C.C. Ltd. as MW-1. He testified that he has been looking after the case of the concerned workmen out of which the present reference has arisen. He has further stated that Md. Nisar was directly recruited in 1979 and has proved the original letter of appointment issued by the management and accepted by Md. Nisar. His testimony is that at the time of appointment the past experience and previous employment of every applicant is taken into consideration and that was done in the case of Md. Nisar too. His evidence further evidences that regard being had to his qualification and past experience Md. Nisar was appointed Fitter Grade III corresponding to Excavation Grade 'D' and that his seniority in service was taken into consideration from the date of his joining the service of the present management and that he was duly promoted to Grade 'C' in 1982. He has emphatically stated that past experience of any candidate for appointment is considered only at the time of his entry in the service and it is not considered in subsequent promotion to any post after his joining the service for the purpose of seniority. These being the evidence it is evident that regard being had to his past experience and qualification Md. Nisar was appointed to the post of Fitter Grade-III (Excavation) corresponding to Excavation Grade 'D' in May, 1979 and that regard being had to his seniority in service he was promoted to the post of Fitter Grade 'C' (Excavation) in 1982. There is no even an iota of evidence to indicate that Md. Nisar, by virtue of his qualification and experience, is entitled to higher gradation of Group 'B' as claimed by him. That being the position it can safely be concluded that the management is justified in giving him initial appointment to Grade 'D' and subsequently to Grade 'C' after four years of service. Accordingly the present reference is disposed of. It is hereby ordered that the action of the management of Muraidih Project of Messrs Bharat Coking Coal Limited in first giving Grade 'D' and after four years of service Grade 'C' to Md. Nisar E.P. Fitter-Cum-Mechanic is justified. In the circumstances of the case parties to bear their own costs.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No. L-20012/474/82-D.III (A)]

P. V. SREEDHARAN, Desk Officer.

नई दिल्ली, 30 जून, 1987

का.स. 1823—प्रमाणित विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार, डाइरेक्टर ऑफ प्रमोशन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुसूचना में निश्चित औद्योगिक विवाद में केंद्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नई दिल्ली के पचाट की प्रकाशित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 18-6-87 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 30th June, 1987

S.O. 1823.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Allahabad Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th June, 1987.

BEFORE SHRI G. S. KALRA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
NEW DELHI

I. D. No. 53/84

In the matter of dispute between :

Shri Bhoora Singh S/o Shri Ajmer Singh, Chowkidar,
C/o Allahabad Bank, 4th Floor, 17, Parliament
Street, New Delhi.

Versus

The Regional Manager, Allahabad Bank, Allahabad Bank
Building, Parliament Street, New Delhi.

APPEARANCES :

Smt P. S. Mahadru, Advocate with the workman.

Shri M. K. Verma—for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-12012/317/83-D.II (A) dated 26th June, 1984 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Allahabad Bank, Regional Office, New Delhi in relation to their Parliament Street, Branch, New Delhi in not properly classifying the leave account of Shri Bhoora Singh, Chowkidar and not releasing his annual grade increments due after the year 1977 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2. As this dispute is going to be decided by way of settlement it is not considered necessary to act forth in detail the pleadings of the parties. Suffice it to say that the workman has been in the service of the Management since 10th January, 1965 as a Chowkidar. The case of the workman is that his increments had been withheld after 1977 without any justification and he was entitled to six months medical leave upto 1972 and out of that he had availed of 42 days medical leave and 138 days leave was still at his credit but the Management has wrongly classified his leave according to their own whims and in violation of the leave rules and the leave availed of him was treated as leave without pay and thereby causing him loss of wages. Similarly he had been working on national holidays but neither he was paid any overtime wages nor any compensatory holidays were given to him. He was also not paid bonus amounting to Rs. 750 for the year 1981. Again a sum of Rs. 850 was illegally deducted from his wages for the period 1976 without giving any reasons. A further sum of Rs. 2,250 had been deducted since November, 1983 without any reasons. He was also entitled to 30 days privilege leave in a year but he did not avail of privilege leave in the years 1968, 70, 73, 75 and 76. This leave could not be lapsed as the workman could not avail of the same on account of false stand taken by the Management and when deliberately maintained a wrong record of leave by making forged entries. In this way he is entitled to receive a sum of Rs. 8,350 from the Management.

3. The Management controverted the claim and allegation of the workman and asserted that the leave record has been maintained correctly and no illegal deductions have been made and that whenever the workman performed duty on National Holidays he was paid overtime wages and he was also paid bonus of Rs. 400 on 25-11-82 for the year 1981.

4. On 5-6-87 when the evidence of the Management was being recorded the parties arrived at a settlement. The Management agreed to pay the sum of Rs. 4,000 to the workman in full and final settlement of his claim in the present dispute. This offer was accepted by the workman. Today the amount of Rs. 4,000 has been paid to the workman by cheque. Hence this dispute is disposed of as settled. Workman shall be entitled to Rs. 500 as costs of these proceedings.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

Dated : 8th June, 1987.

G. S. KALRA, Presiding Officer

[No. L-12012/317/83-D.II (A)]

N. K. VERMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1987

का.स. 1824—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार, डाइरेक्टर ऑफ

सेल्स, आकाशवाणी, बम्बई, के प्रबंधन से सम्बन्धित निर्याजको और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुरोध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण-1 बम्बई के पत्रपट को प्रकाशित करना है, जो केन्द्रीय सरकार को 11 जून 1987 का प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 1st July, 1987

S.O. 1824.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Director of Sales All India Radio, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 11th June, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, BOMBAY

Reference No. CGIT-29 of 1986

PARTIES:

Employers in relation to M/s. All India Radio, Bombay
AND
Their workmen.

APPEARANCES:

For the employer—Mr. Namjoshi, Advocate.

For the workman—Mr. Gonsalves, Advocate.

INDUSTRY : Broadcasting STATE : Maharashtra
Bombay, dated the 13th day of April, 1987

AWARD

By an order dated 25th July, 1986, the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred to this Tribunal, the following dispute for adjudication.

“Whether the action of the Director of Sales, All India Radio, Bombay, in terminating the services of Shri M. B. Mathur, Staff Artist, is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. Shri Mukant Biharilal Mathur, was employed as a Staff Artist in the Central Sales Unit of the All India Radio at Bombay. On 25th August, 1979, Shri Mathur addressed a letter (Exhibit M-1) to the Director of Sales with a request that he may be relieved from his duty. This was followed by another letter (Exhibit M-2) dated 3rd September, 1979. By the second letter, Shri Mathur offered to resign and requested that his resignation may be accepted at the earliest and that he may be relieved even before 3rd October, 1979 waiving the notice period. This resignation was accepted by the Director of Sales vide memo dated 7th September, 1979 (Exhibit M-3).

3. It is the case of the workman that he was tricked by the management into resigning. According to him, he was victimised because he had brought to light certain malpractices in the functioning of the All India Radio. The workman contended in his statement of claim that the Administrative Officer, Shri N. K. Saxena had written a novel which he wanted to be made into a film. But he refused to oblige because the novel was substandard and this angered the Administrative Officer. According to the workman, the Director was also unjustifiably annoyed with him because he had exposed the illegal activities of the management, especially the contravention of the rule of the Commercial Broadcasting Code which required that all tapes should be submitted by the advertising concerns at least 20 days in advance of the date of broadcasting. He claimed that the management had tried to pressurise him to bend this rule, but he refused and hence he was victimised. According to him, the Transmission Executive Shri J. P. Sharma and the Deputy Director of Sales, Shri Y. K. Kharat were involved in pressurising him. He claimed that that he had also protested against Mr. Kharat drinking during office hours and behaving badly with the lady em-

ployees. It is his case that he wanted to go to his native place for urgent domestic work, but there was no leave to his credit. Taking advantage of this position, Director of Sales connived with the Deputy Director Shri Kharat, the then Administrative Officer and the then Junior Accountant, Shri Sahani all of whom asked him to submit a letter of resignation which they said would not be accepted, but would be kept secret and torn when he returned from leave. They induced him to trust them and told him that they would look after his interests. According to Shri Mathur, being desperate to somehow proceed to his native place on account of pressing domestic emergency, he did so replying upon the officer in good faith.

4. In the written statement, the management of All India Radio denied that the services of Shri Mathur were terminated by the management. They maintained that Shri Mathur tendered his resignation on his own and voluntarily and that the case of termination is sought to be made out as an afterthought. According to the management, the reference to malpractices and malfunctioning of All India Radio has no relevance whatsoever to the present dispute. According to them, by his letter dated 25th August, 1979, the workman expressed his earnest desire to be relieved from duty as early as possible as he was facing hardship on account of his requirement to maintain two establishments. He had given good reasons as to why he had given his resignation and the tenor of the resignation did not indicate any basis for the several allegations mentioned in the statement of claim. Moreover the same grounds were reiterated in the letter dated 3rd September, 1979 by which the workman earnestly requested the management to accept his resignation and to relieve him even before 3rd October, 1979 waiving the notice period. According to the management the allegations of illegality and malafide character are brought out by the workman as an afterthought to give a go-bye to his own letter, the contents of which he was well aware before he submitted it to the All India Radio. The management denied that Mr. Saxena or Mr. Prasad had any animus or grudge against the workman. According to the management, the workman was not so highly placed an officer in the organisation to take policy decisions relating to sponsored programmes or Commercial Broadcasting Code. The management contained that the statements made about Mr. Kharat are highly derogatory and baseless. The management denied that the workman was asked to tender his resignation, or that he was told that if he would tender the resignation, it would be kept secret and would not be accepted and would be torn when he returned. The management maintained that none of the officers of All India Radio were interested in removing the workman, but he tendered his resignation voluntarily for personal reasons.

5. The workman has categorically admitted that the letters Exhibit M-1 and M-2 were written by him and they bear his signature. According to him he was induced to write these letters by the then Junior Accountant Shri Sahani and other officers of the All India Radio taking advantage of the fact that he was mentally disturbed because he wanted leave urgently to go to his native place, but there was no leave to his credit. In his affidavit filed in lieu of examination-in-chief, he has stated the circumstances in which he was induced and tricked into writing the letters. He has stated as follows:—

“I have pressing problems at my native place. Some boys indulged in serious eve-teasing of my two young sisters of marriageable age while they were pursuing their education. The problem had taken an extremely serious turn and caused a family crisis. As I was their guardian I had to urgently proceed to my native place to sort out the matter. However, when I approached the Director of Sales, Central Sales Unit Mr. S. N. Prasad for leave whereupon he asked me to fill up a leave application which I did. However he refused to sanction the leave but asked me to come next day. When I went next day. The leave application was missing I have served you the best as I can and now I say that application was deliberately misplaced by Shri Sahani. I was very much mentally disturbed as I had to proceed to my native place

urgently. Taking advantage of my distressed mental state Shri I. N. Sahani, in league connivance and abetment of Shri S. N. Prasad, R. K. Saxena (Administrative Officer—A.O.), J. P. Sharma (Programme Executive) Y. I. Kharat (Dy. Director of Sales D.S.) etc. told to me that there was no need of an application as there was no leave to my credit. However he induced and tricked me into writing a resignation letter which he said would be torn and thrown away as soon as I returned from native place. He said that the resignation letter was just in case any higher officer visited the AIR station and enquired about me. Shri I. N. Sahani said that the Director of Sales and the A.O. had asked him to convey to me about writing a resignation letter. Shri Sahani also said that the Director of Sales (D.S.) would, on receiving my letter ask me A.O. to enquire about reasons for my resignation and thereafter sanction my leave. Thereafter Shri Sahani dictated me a letter and accordingly I wrote the letter dated 23-8-1979 on a paper provided by him which was submitted on the same day with a fresh leave application. However on 1-9-1979 Sahani told me that the D.S. specifically wanted the word resignation in by letter. Again he called me on 2-9-79 and gave me a paper and dictated a fresh letter and said unless I submit this letter my leave would not be sanctioned. Believing him in good faith, I signed the letter dictated by him on 3-9-79 and submitted it on the same day and proceeded to my native place on the same day."

6. In his cross-examination, Shri Mathur has admitted that he knows English and ordinarily he signs documents after reading them and after understanding the contents. He also admitted that when he wrote the letters in question he was aware that he was tendering his resignation. According to Shri Mathur, when he wrote these letters, he did not intend to resign from his service, but he wanted to proceed on leave. It is however, pertinent to note that neither the letter Exhibit M-1 nor the letter Exhibit M-2 contain any prayer for leave. There is absolutely nothing on record to show that any application for leave was given by Shri Mathur either alongwith Exhibit M-1 or with Exhibit M-2 or separately. On the contrary, letters Ex. M-1 and M-2 clearly show his intentions to resign. Even though the letter Exhibit M-1 is not so explicit on this point, the letter Exhibit M-2 leaves absolutely no doubt as to what Shri Mathur intended to do.

7. The letter Exhibit M-1 was addressed to the Director of Sales by Shri Mathur as under :—

"I earnestly request you to kindly relieve me from my duties as early as possible as I am facing very hardship because I have to maintain two establishments in my present salary. I have two young sisters of 20 and 24 years of age at my native place staying along as I have no residential accommodation in this city. Being the eldest in the family I can not overlook my duties towards my family. Time is also not good that I can leave my two young sisters alone at my native place. Sir, I have served you the best as I can and now I request you to very kindly relieve me so that I may be able to fulfill my duties towards my family."

8. Even though it is not specifically mentioned in the letter that Shri Mathur wanted to resign his employment, a person who had animus against Shri Mathur and who was promoted with a desire to throw Shri Mathur out of his employment could have very easily acted on this letter and treating it as a letter of resignation could have accepted it. It is pertinent to note in this context that in the Statement of Claim, Shri Mathur has specifically stated that the Director also had animus against him and that it was he who had connived with Shri Kharat, Shri Sahani and others in order to remove him from service, and that he was one of the officers who had asked him to submit a letter of resignation assuring him that it would not be accepted, but keep secret and torn when he turned from leave. Hence if the Director would have been a party to the alleged fraud, practised on Shri Mathur, he would have acted on this letter Ex. M-1 itself. But he did not do so. On the contrary, he was

not prepared to accept the idea that Shri Mathur wanted to leave the employment, and hence he made the following endorsement on that letter on 31st August, 1979 nearly 6 days after the letter was tendered :—

"A.O.

Does it imply request for transfer on personal grounds ? Or what ? It may be clarified ?"

9. It is in this context that the second letter which leaves absolutely no doubt about the intention of Shri Mathur to resign assumes much significance. This letter Exhibit M-2 was also addressed to the Director of Sales. It reads as follows :—

"I have got certain family problems as mentioned in my application dated 23-8-79 for which my continuance presence is required at my native place. I have therefore no other alternative except to resign the post and I request that my resignation may kindly be accepted w.e.f. 3-10-79. I may further inform that due to my compelling circumstances I request that my resignation may be accepted at the earliest and I may kindly be relieved even before 3-10-79 requesting to waive the notice period."

10. It is after receipt of this letter that the memo Exhibit M-3 was issued on 7th September, 1979 by the Director of Sales. By this memo, the resignation was accepted with effect from 7th September, 1979 (afternoon) waiving notice period as desired by Shri Mathur. By this memo, Shri Mathur was also informed that final settlement of all his dues would be made after he paid a sum of Rs. 1755/65 being the Government liability due from him on account of leave not due granted to him from time to time and for which he had duly given undertaking to pay the amount in case of his resignation. Shri Mathur has categorically admitted in his cross-examination that he took his dues which were paid by cheque and that he accepted the dues without protest.

11. Even though in his application Shri Mathur had stated that he was induced and tricked into writing the letters of resignation by the Director of Sales, the then Administrative Officer, the Deputy Director of Sales Shri Kharat and the then Junior Accountant, Shri Sahani, in his cross-examination he tried to throw the entire blame on Shri Sahani and tried to say that he had complained to the superior officers about the conduct of Shri Sahani in forcing him to write the letter. In fact, in his cross-examination, he gave up his original theory about the assurance that the letter of resignation would not be accepted, but kept secret and torn when he returned from leave and tried to say that Shri Sahani forced him to write the letters. He however, categorically admitted in his further cross-examination that before he filed his affidavit of evidence in this matter, he never gave in writing any complaint against Shri Sahani for forcing him to resign. Shri Mathur claimed that he had complained about the conduct of Shri Sahani to the Director of Sales and that he had requested the Deputy Director General not to accept his resignation. He however admitted that he did so only orally and had not complained in writing to any of the superior officers any time. What is significant is that he did not complain in writing when by the memo dated 7th September, 1979 his resignation was accepted. If, really he was assured that his resignation would not be accepted and would be torn after he returned from leave, he would have certainly complained in writing to the superior officers. His conduct in not doing so speaks volumes against him.

12. Shri Sahani to whom Shri Mathur ascribed a major role in this alleged fraud, stepped in the witness box and emphatically denied the allegations levelled against him by the workman. It is difficult to believe that a person who was merely a Junior Accountant at the material time could have played the role which is sought to be ascribed to him by the workman. It is possible that Shri Mathur might not be satisfied with the working of the All India Radio and had some grievances about some of its officers. But it is difficult to accept the theory that he was victimised for his exposing the malpractices in the All-India Radio and that all the superior officers including the Director of Sales tricked him into writing the letters of resignation. It appears that he is trying to take advantage of his unhappy relationship with his superiors to support his story which is clearly an after thought. It is pertinent to note that Shri Mathur accep-

ted the memo dated 7th September, 1979 and also accepted without the dues paid to him after final settlement of his dues. It is also pertinent to note that he raised the present dispute long time after he ceased to be in the employment. It appears that nearly two years after that he approached the conciliation officer.

13 There is, therefore, no substance in the contention of the workman that the resignation was either induced or forced. It is clear that he resigned his employment voluntarily.

14 Shri Gonsalves, the learned advocate who appeared for the workman tried to contend that in view of the wording of the reference, there was no question of considering the question as to whether the workman had resigned his employment. According to him in view of the wording of the reference, which clearly contemplated termination of service,

the scope of the enquiry is limited. There is no substance in this argument. The reference contemplated adjudication of the termination on the footing that according to the workman, he had not voluntarily resigned but his resignation was induced or forced and hence his services were terminated.

15 In the circumstances, it is held that the workman Shri Mathur voluntarily resigned his employment and that the action of the management in accepting the resignation was legal and valid. Consequently the workman is not entitled to any relief.

16 Award accordingly

M S JAMDAR, Presiding Officer
[No. L 42012/39/80 D II (B)]
HARI SINGH, Desk Officer

